महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

हर चीज वहीं मिल जाती है जहाँ वो खोयी हो लेकिन विश्वास वहाँ कभी नहीं मिलता जहाँ एक बार खो जाता है

वर्ष : 16 अंक : 342 | उज्जैन, रविवार 24 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

मध्यप्रदेश का पॉवर हाउस है सिंगरौली, अब बनेगी गोल्ड सिटी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 24 लाख बहनों के खातों में अंतरित की 115 करोड़ की गैस रिफलिंग राशि

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गरीब, युवा, नारी और किसान हमारी प्राथमिकता है। गरीबों का कल्याण, बहनों का सम्मान, युवाओं को अवसर और किसानों के हित में जो भी मदद संभव होगी, हम वो सब करेंगे। मध्यप्रदेश में 89 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ मिल रहा है। प्रदेश में जुलाई 2023 से मात्र 450 रुपये में बहनों को निरंतर घरेलू गैस सिलेण्डर दिलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मई के महीने में प्रदेश की बहनों को डबल सौगात मिली है। इसी माह 13 तारीख को प्रदेश की सवा करोड़ बहनों के खातों में लाड़ली बहना के 1500-1500 रुपये पहुंचे है और आज (23 मई को) गैस सिलेंडर भरवाने की सब्सिडी राशि भी उन्हें मिल रही है। वृद्धजनों के सम्मान में भी सरकार ने कभी कोई कमी नहीं की। इसी कार्यक्रम के जरिये प्रदेश के 33 लाख 71 हजार से अधिक पात्र हितग्राहियों को अप्रैल माह की 202 करोड़ 26 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि भेजी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सिंगरौली नगर के एनसीएल ग्राउण्ड में महिलाओं को गैस रिफिलिंग सब्सिडी एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि वितरण तथा विकास कार्यों के लोकार्पण-भूमिपूजन के राज्यस्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से पात्रतानुसार राशि का अंतरण संबंधित हितग्राहियों के खातों में किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार अंत्योदय और विकास के पथ पर अभूतपूर्व कार्य कर रही है। समाज के अंतिम व्यक्ति का कल्याण और गांवों की गली-गली का विकास ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा किआज यदि हमारा विंध्य क्षेत्र प्रगति, उन्नति, पर्यटन और आधुनिक अधोसंरचनाओं के विकास की नई कहानी लिख रहा है, तो इसका केंद्र बिन्दु सिंगरौली ही है। उन्होंने कहा कि विंध्य अब रिन्यूएबल एनर्जी का भी हब बन रहा है। रीवा जिले में एशिया के सबसे बड़े सोलर पार्क का प्लांट बना है। जल्द ही यह क्षेत्र एनर्जी-इंडस्ट्री-स्पिरिचुअल कॉरिडोर के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ऊर्जाधानी सिंगरौली पूरे देश की ऊर्जा शक्ति का मजबूत आधार बन चुका है। सिंगरौली मध्यप्रदेश का पॉवर हाउस है। यह प्रदेश का ग्रोथ सेन्टर भी है। इसके विकास के लिए हम कोई कसर नहीं रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोयला किंग सिंगरौली अब गोल्ड सिटी बनने जा रही है। सिंगरौली में प्रदेश के पहले चकरिया गोल्ड ब्लॉक के लिए अनुबंध हो चुका है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगरौली गौरव दिवस की पूर्व संध्या अवसर पर पूरे जिले को 552 करोड़ 12 लाख रुपये की लागत वाले 71 विकास कार्यों की ऐतिहासिक सौगात दी। सिंगरौली जिले का गठन 24 मई 2008 को किया गया था। यह राज्य का 50वां जिला है। इसका जिला मुख्यालय वैढ़न (बैढ़न) में स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां 486 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से 50 विकास कार्यों का भूमि पूजन तथा 65 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से 21 नवनिर्मित विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें सीएसआर के तहत 19 करोड़ 83 लाख रुपये की लागत वाले 4 विकास कार्यों (सिंगरौली में 13.30 करोड़ से स्पोर्टस काम्प्लेक्स के निर्माण सहित) का भूमि पूजन भी शामिल है। मुख्यमंत्री ने मंच से शासन की विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुछ दिव्यांग भाई-बहनों को ट्राय सायकिल देकर उनके जीवन में खुशियों का नया रंग भर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई विभिन्न मांगों के संबंध में कहा कि आपकी भावना ही हमारी भावना है। क्षेत्र के विकास के लिए जो भी मांग की गई है, वे सभी पूरी की जाएंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया में अपनी अलग ही पहचान बना रहा है। मध्यप्रदेश भी इस विकास यात्रा में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनों के कल्याण के लिए प्रदेश के खजाने में कोई कमी नहीं है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की बहनें समृद्ध हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल बचाना हमारी जरूरत है। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण का महाभियान चल रहा है। सोमवार, 25 मई को प्रदेशव्यापी गंगा दशहरा महोत्सव भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दिन प्रदेश के हर गांव-शहर में शासन, प्रशासन, जनप्रतिनिधि, आमजन सब एक साथ मिल-जुलकर पुराने जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार और संरक्षण के लिए कार्य करेंगे। कार्यक्रम में सरकार के तीन माह तक लगातार चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान पर केन्द्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार सिंगरौली जिले के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सिंगरौली को रेल, सड़क और हवाई मार्ग की सौगातें मिली हैं। एक दौर में यहां की जनता आवागमन के लिए परेशान होती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष की एमपी बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में सिंगरौली जिले के 5 विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट लिस्ट में स्थान हासिल किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संभावनाओं की धरती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंगरौली जिले के 4 सांदीपनि विद्यालयों में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 90.14 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का 89.14 प्रतिशत आया है। यह भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि के नाम पर प्रदेश में विद्यालय खोलने का सरकार को मिला इनाम है। भगवान श्रीकृष्ण ने महाभारत में कर्मवाद के सिद्धांत पर पवित्र गीता का संदेश दिया। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता का प्रसंग हम सभी को मित्रता की महत्ता बताता है। राज्य सरकार प्रदेशभर में गीता भवनों का निर्माण कर रही है। गांवों की समृद्धि के लिए बिजली और पानी के लिए नई योजनाएं शुरू की गई हैं। प्रदेश में सबसे पहले नदी जोड़ो अभियान की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण के लिए समर्पित किया है। किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। देश की आजादी के बाद के 55 साल तक प्रदेश में बिजली का उत्पादन सिर्फ 5000 मेगावाट हुआ करता था।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली पर राज करने वाला 40-40-20 एलीट्स क्लब बन जाएगा इतिहास, 5 जून तक खाली करने का आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने लुटियंस दिल्ली के प्रतिष्ठित दिल्ली जिमखाना क्लब को बड़ा झटका देते हुए क्लब परिसर 5 जून तक खाली करने का आदेश दिया है। केंद्र ने कहा है कि 27.3 एकड़ में फैली यह जमीन रक्षा ढांचे को मजबूत करने और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों के लिए आवश्यक है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अधीन भूमि एवं विकास कार्यालय (एलएंडडीओ) ने 22 मई को क्लब सचिव को पत्र जारी कर यह निर्देश दिया। आदेश में कहा गया है कि 2, सफदरजंग रोड स्थित यह परिसर अत्यंत संवेदनशील और रणनीतिक क्षेत्र में आता है, इसलिए सरकार ने लीज समाप्त करते हुए जमीन पर दोबारा कब्जा लेने का फैसला किया है। एलएंडडीओ ने कहा कि यह भूमि तत्काल संस्थागत जरूरतों, प्रशासनिक बुनियादी ढांचे और जनहित परियोजनाओं के लिए जरूरी है। आदेश में कहा गया कि लीज डीड की धारा-4 के तहत भारत के राष्ट्रपति की ओर से लीज समाप्त की जाती है और परिसर पर तत्काल प्रभाव से पुनः प्रवेश (री-एंट्री) का आदेश दिया जाता है। सरकारी आदेश के मुताबिक 5 जून को एलएंडडीओ के अधिकारी परिसर का कब्जा लेंगे। क्लब प्रबंधन को निर्देश दिया गया है कि वह शांतिपूर्ण तरीके से परिसर सौंप दे। आदेश में यह भी कहा गया कि यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो कानून के अनुसार कार्रवाई करते हुए कब्जा लिया जाएगा। एक सदी से भी ज्यादा समय से, दिल्ली जिमखाना सदस्यता के लिए 40-40-20 का नियम अपनाता आ रहा है। 40त्न सीटें सिविल सेवकों के लिए, 40% रक्षा सेवाओं के लिए और 20त्न अन्य (यानी आम लोगों) के लिए होती थीं। सदस्यों के वयस्क बच्चों को सदस्यता देने में प्राथमिकता दी जाती थी, जिससे बाहरी लोगों के लिए सदस्यता मिलने की संभावनाए लगभग खत्म ही हो जाती थीं। दिल्ली जिमखाना क्लब लुटियंस दिल्ली के बेहद महत्वपूर्ण इलाके में स्थित है। यह क्लब लोक कल्याण मार्ग स्थित प्रधानमंत्री आवास के पास मौजूद है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में 91 पैसे तक का उछाल; हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई बने देश के सबसे महंगे शहर

नई दिल्ली/ जीएनएस। शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 87-91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस तरह पिछले 10 दिनों में ईंधन की दरों में कुल बढ़ोतरी लगभग 5 रुपये प्रति लीटर हो गई। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि सरकारी तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का बोझ ग्राहकों पर डाल दिया। कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों में ईंधन की कीमतें सबसे ज्यादा रहीं। इन शहरों में ताजा बदलावों के बाद भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बनी रहीं। ताजा बदलाव के बाद पूरे देश में पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतों में 91 पैसे प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई है। हैदराबाद में पेट्रोल की कीमत 112.81 रुपये प्रति लीटर रही, जबकि डीजल की कीमत 100.94 रुपये प्रति लीटर थी। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत में 94 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 110.64 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमत 95 पैसे बढ़कर 97.02 रुपये प्रति लीटर हो गई। बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत में 93 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के बाद यह 108.05 रुपये प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल की कीमत 95 पैसे प्रति लीटर बढ़कर 95.99 रुपये प्रति लीटर हो गई। मुंबई में पेट्रोल की कीमतों में 90 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 108.49 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमत 94 पैसे बढ़कर 95.02 रुपये प्रति लीटर हो गई। दिल्ली में पेट्रोल की कीमतों में 87 पैसे की बढ़ोतरी हुई और यह 99.51 रुपये प्रति लीटर हो गया, जबकि डीजल की कीमत 91 पैसे बढ़कर 92.49 रुपये प्रति लीटर हो गई।

लापता लोगों के मामलों में तुरंत FIR दर्ज करें, सुप्रीम कोर्ट का पुलिस को सख्त आदेश

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को देश भर के पुलिस अधिकारियों को लापता व्यक्तियों के मामलों में तुरंत एफआइआर दर्ज करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा कि मानव तस्करी विरोधी इकाइयों को चार सप्ताह के भीतर पूरी तरह से कार्यरत किया जाना चाहिए।

यह आदेश इस बात को ध्यान में रखते हुए दिया गया कि देश में आज की तारीख में 47,000 बच्चे लापता हैं। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर महादेवन की पीठ ने कई निर्देश जारी करते हुए लापता बच्चों के मामलों की बढ़ती संख्या पर नाराजगी व्यक्त की और कहा कि वे अक्सर संगठित अंतरराज्यीय तस्करी गिरोहों के शिकार होते हैं।

पीठ ने कहा, भारत सरकार के गृह मंत्रालय को निर्देश दिया जाता है कि वह देश के प्रत्येक पुलिस स्टेशन को एक ही मंच से जोड़ने वाला एक अखिल भारतीय नेटवर्क स्थापित करे, जिसमें लापता बच्चों और महिलाओं सहित मानव तस्करी के लिए एक विशेष पोर्टल होगा।

पाकिस्तान-बांग्लादेश सीमा होगी अभेद्य, अमित शाह ने किया स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट का एलान

नई दिल्ली/ जीएनएस। घुसपैठ और तस्करी जैसी दशकों पुरानी समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए मोदी सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा को ड्रोन, रडार, आधुनिक कैमरों और तकनीक के सहारे पूरी तरह से अभेद्य बनाने जा रही है।

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक साल में नई बार्डर स्ट्रेटेजी के तहत स्मार्ट बोर्डर प्रोजेक्ट शुरू करने का ऐलान किया है। पाकिस्तान और बांग्लादेश की सीमा पर तैनात बीएसएफ के संस्थापक रूस्तमजी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकी परिवर्तन से निपटने के लिए प्रस्तावित उच्चाधिकार प्राप्त जनसांख्यिकी मिशन का जल्द ही गठन किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले साल लालकिले से इस मिशन के गठन का ऐलान किया था। अमित शाह के अनुसारस्मार्ट बोर्डर प्रोजेक्ट के तहत सीमा पर तकनीक आधारित स्मार्ट सिक्योरिटी ग्रिड खड़ी करने का रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने साफ किया कि सीमावर्ती इलाकों में असामान्य तरीके जनसांख्यिकी परिवर्तन नहीं होने देंगे और एक-एक घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे।

धर्म परिवर्तन करने वाले आदिवासियों को न मिले एसटी आरक्षण का लाभ- वनवासी कल्याण आश्रम

नई दिल्ली/ जीएनएस। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने कहा है कि मतांतरण देश के लिए एक बड़ा खतरा है और इसने आदिवासी इलाकों पर बहुत बुरा असर डाला है।

इसके कारण गंभीर सामाजिक संघर्ष और विभाजन हुए हैं। उनका कहना है कि संविधान के अनुच्छेद-342 में संशोधन करके मतांतरण से जुड़ी कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है, ताकि इस्लाम या ईसाई मत अपनाने वाले अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों को इस वर्ग के लाभ न मिल सकें। जिस तरह अनुच्छेद-341 के तहत दूसरा मत अपनाने वाले अनुसूचित जाति (एससी) के लोग इस वर्ग के लाभ से वंचित हो जाते हैं।

एक साक्षात्कार में सत्येंद्र सिंह ने कहा कि आरएसएस से जुड़ा वनवासी कल्याण आश्रम मुख्य रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में काम करता है, लेकिन 2006 में इसने रायपुर में जनजाति सुरक्षा मंच की स्थापना की ताकि एसटी समुदाय के उन सदस्यों को डीलिस्ट (एसटी वर्ग से हटाना) किया जा सके जिन्होंने इस्लाम, ईसाई या किसी अन्य गैर-हिंदू मत को अपना लिया है। उन्होंने दावा किया कि आदिवासी समुदाय के एक बड़े हिस्से ने मतांतरण किया है और जहां भी मतांतरण हुआ, वहां अलगाव की भावना बहुत अधिक पैदा हुई। समाज के अंदर झगड़े और बंटवारे शुरू हो गए। एक भाई ईसाई बन गया और दूसरा हिंदू बना रहा, इससे परिवारों व समुदायों में बंटवारा हो गया।

उन्होंने कांग्रेस के पूर्व सांसद कार्तिक ओरांव का जिक्र किया कि उन्होंने संसद में मतांतरण करने वाले आदिवासियों को एसटी आरक्षण का लाभ मिलते रहने पर चिंता जताई थी। 1969 में सरकार द्वारा गठित एक संयुक्त समिति ने भी प्रस्ताव दिया था कि मतांतरण करने वाले आदिवासियों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। 1970 में संसद भंग होने के बाद राजनीतिक दबाव में यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका। कार्तिक ओरांव का भी दिसंबर, 1981 में निधन हो गया था।केंद्र सरकार के ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट को राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए सत्येंद्र सिंह ने कहा कि इसे स्थानीय आदिवासी समुदायों के साथ सलाह-मशविरा करके लागू करना चाहिए, ताकि इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी के साथ-साथ उनके हितों की भी रक्षा हो सके।

उन्होंने शोम्पेन, जारवा और सेंटिनली जैसी संवेदनशील आदिवासी जनजातियों का भी जिक्र किया और कहा कि वे मुख्यधारा के समाज के साथ सीमित संपर्क रखना पसंद करते हैं और उन्हें सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

फर्जी भारतीय पहचान के साथ कर रहा था कुवैत में काम, मुंबई की कोर्ट ने बंगलादेशी नागरिक को सुनाई सजा

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई की एक अदालत ने 46 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक को 2005 में अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर एक दशक तक कुवैत में काम करने के आरोप में सात महीने की जेल की सजा सुनाई है।

अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में नरमी बरतना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एस्प्लेनेड कोर्ट) के.एस. जनवार ने बांग्लादेशी नागरिक को आव्रजन और विदेशी अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता के तहत धोखाधड़ी, सार्वजनिक रजिस्टरों/पहचान प्रमाणों की जालसाजी और जाली दस्तावेजों के कब्जे के लिए दोषी ठहराया। 21 मई को दिए गए अपने फैसले में अदालत ने टिप्पणी की कि किसी अन्य देश का नागरिक जो भारत में विदेशी है, उसे भारतीय नागरिक के समान अधिकार और सुविधाएं प्राप्त नहीं हो सकतीं। अदालत ने कहा, यदि ऐसी नरमी बरती जाती है, तो यह राष्ट्रीय सुरक्षा और यहां तक कि भारतीय नागरिकों के वैध अधिकारों के लिए भी खतरनाक साबित हो सकती है, क्योंकि अनधिकृत प्रवेश से भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव पड़ सकता है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले में CBI की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीबीआइ ने पुणे की एक लेक्चरर को इस सिलसिले में गिरफ्तार किया है। पुणे के सेठ हीरालाल सर्राफ प्रशाला में कार्यरत मनीषा संजय हवलदार पर फिजिक्स का प्रश्नपत्र चुनिंदा अभ्यर्थियों को लीक करने का आरोप है।

सीबीआई ने उसे पेपर लीक का एक अन्य स्रोत बताया है। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर से 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

सीबीआइ के प्रवक्ता ने कहा कि एजेंसी ने नीट-यूजी 2026 के भौतिकी का पर्चा लीक करने वाले एक अन्य प्रमुख आरोपित की पहचान कर ली है। एनटीए द्वारा विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के बाद मनीषा हवलदार नीट-यूजी प्रक्रिया में शामिल थी। फिजिक्स के प्रश्नपत्र तक उसकी पूरी पहुंच थी। अप्रैल में उसने कुछ प्रश्न सह-आरोपित मनीषा मंधारे के साथ साझा किए थे। सीबीआइ ने 16 मई को पुणे निवासी वनस्पति विज्ञान की शिक्षक मंधारे को नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया।

एजेंसी का कहना है कि हवलदार द्वारा अभ्यर्थियों के साथ साझा किए गए प्रश्न नीट-यूजी की भौतिकी परीक्षा के प्रश्नों से मेल खाते थे।

सीबीआई ने देशभर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटाप, बैंक स्टेटमेंट और मोबाइल फोन जब्त किए।

जब्त की गई वस्तुओं का विस्तृत विश्लेषण जारी है। एजेंसी ने कहा कि अब तक की जांच ने पेपर लीक के वास्तविक स्रोत को उजागर किया है।

भारत-साइप्रस रिश्तों को मिला रणनीतिक साझेदारी का दर्जा, पीएम मोदी बोले- निवेश दोगुना करेंगे

नई दिल्ली/ जीएनएस। पीएम नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडुलिड्स के साथ विस्तृत द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में दोनों देशों ने भारत-साइप्रस संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का औपचारिक दर्जा देने का महत्वपूर्ण ऐलान किया।

यूरोपीय संघ (ईयू) का समुद्री द्वार समझे जाने वाले साइप्रस ईयू का छठा देश है जिसके साथ भारत ने अपने संबंधों को यह दर्जा दिया है। आज की बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर, शिपिंग, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध और व्यापार सहयोग को नई गति देने के लिए संयुक्त टास्क फोर्स गठित करने का फैसला लिया गया। बैठक के बाद संयुक्त प्रेस संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा पिछले दशक में साइप्रस से भारत में निवेश लगभग दोगुना हो चुका है। हमारा लक्ष्य अगले पांच वर्षों में इसे फिर से दोगुना करना है। इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए आज हम अपने विश्वसनीय संबंध को रणनीतिक साझेदारी में ऊंचा उठा रहे हैं।

मोदी ने दोनों देशों के बीच दोस्ती को मजबूत और भविष्योन्मुखी बताया। उन्होंने कहा कि भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के बाद साइप्रस के माध्यम से व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया के संकट और यूक्रेन युद्ध पर भी गहन चर्चा की। पीएम मोदी ने भारत के इस मत को फिर दोहराया कि उक्त दोनों क्षेत्रों में शांति स्थापना और संघर्ष के शीघ्र समाप्ति के सभी प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। दोनों पक्षों ने वैश्विक संस्थाओं (यूएन, यूएनएससी आदि) के सुधार पर भी एकमत जताया और कहा कि बढ़ती वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए यह सुधार अत्यंत आवश्यक है।

यह रणनीतिक साझेदारी ऐसे समय में हुई है जब तुर्की पाकिस्तान के साथ अपने रक्षा और सैन्य संबंधों को लगातार मजबूत कर रहा है।

सक्सेस मैनेजमेंट : कैरियर कन्फ्यूजन से सफलता तक - विजय दुबे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज के समय में विद्यार्थियों के सामने सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है – कैरियर को लेकर कन्फ्यूजन। 10वीं के बाद कौन-सा विषय चुना जाए, 12वीं के बाद कौन-सा कॉलेज या कोर्स लिया जाए, आगे क्या करना है – इन सवालों में अधिकांश छात्र उलझे रहते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वे अपने जीवन का उद्देश्य स्पष्ट नहीं कर पाते। जब तक क्यों मजबूत नहीं होगा, तब तक कैसे हमेशा भ्रम पैदा करता रहेगा।

सच्चाई यह है कि जिस दिन इंसान यह समझ जाता है कि उसे जाना कहाँ है, उसी दिन यह भी तय हो जाता है कि वहाँ तक पहुँचना कैसे है। लेकिन अधिकतर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को समझने के बजाय दूसरों की नकल करने लगते हैं। यदि दोस्त ने PCM लिया, तो हम भी वही ले लेते हैं। किसी मित्र ने किसी विशेष कॉलेज में प्रवेश लिया, तो हम भी उसी दिशा में चल पड़ते हैं। यह सही निर्णय नहीं होता। जीवन के बड़े फैसले भीड़ देखकर नहीं, बल्कि अपनी क्षमता, रुचि और लक्ष्य को समझकर लेने चाहिए।

सफलता की राह में सही मार्गदर्शन बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए दोस्ती और सलाह हमेशा उन लोगों से लेनी चाहिए जो जीवन में सफल हैं या हमसे अधिक अनुभवी हैं। ऐसे लोग हमें असफलताओं से बचाने और सही दिशा दिखाने में मदद करते हैं। कन्फ्यूजन दूर करने का सबसे अच्छा तरीका है – पहले अपना लक्ष्य तय करना और फिर उसके प्रति पूरी तरह समर्पित हो जाना। जब इंसान अपने आप से यह कह देता है कि एक बार मैंने कमिटमेंट कर दिया, तो फिर मैं अपने आप की भी नहीं सुनूँगा, तब वही कमिटमेंट उसे फोकस देता है।

जब लक्ष्य स्पष्ट होता है, तब दुनिया की कोई भी कमजोरी इंसान को पीछे नहीं रोक सकती। पैसे की कमी, परिस्थितियों की कठिनाई या संसाधनों का अभाव केवल बहाने बनकर रह जाते हैं। क्योंकि दुनिया में हर समस्या के कई समाधान होते हैं, आवश्यकता केवल उन समाधानों को खोजने की होती है।

आज दुनिया के अधिकांश सफल और अमीर लोग कभी साधारण परिस्थितियों में ही थे। उनकी सफलता का रहस्य केवल इतना था कि उन्होंने अपने कमिटमेंट और खुद पर भरोसा बनाए रखा। उन्होंने दूसरों की सफलता की कहानियों से प्रेरणा ली, अच्छी किताबें पढ़ीं और अपने समय का उपयोग केवल उन चीज़ों में किया जो उनके लक्ष्य से जुड़ी थीं। जो लोग आज सोशल मीडिया और टीवी पर दिखाई देते हैं, वे वही लोग हैं जिन्होंने कभी अपना समय बेकार की चीज़ों में नष्ट नहीं किया।

जीवन में एक बात हमेशा याद रखनी चाहिए – समय कभी एक जैसा नहीं रहता। चाहे खुशी हो या दुख, दोनों ही स्थायी नहीं हैं। इसलिए सबसे शक्तिशाली पंक्ति है – ये वक़्त भी गुज़र जाएगा। सफलता पाने वाले लोग कठिन समय में हार नहीं मानते और अच्छे समय में घमंड नहीं करते।

दुनिया में सफल लोगों की संख्या बहुत कम है क्योंकि केवल कुछ लोग ही अपने लक्ष्य को पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। जिन्होंने सफलता को छुआ है, उन्हें भी जीवन में कई बार असफलताओं और अस्वीकृतियों का सामना करना पड़ा। महान वैज्ञानिक Thomas Alva Edison ने बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार असफलता देखी। जब उनसे पूछा गया कि इतने प्रयासों के बाद भी उनका विश्वास कैसे बना रहा, तो उन्होंने कहा – मैं कभी असफल नहीं हुआ, मुझे केवल वे तरीके पता चले जिनसे बल्ब नहीं बनता।

ईश्वर भी उन्हीं की मदद करता है जो स्वयं अपनी मदद करने का साहस रखते हैं। इस दुनिया में आपका सबसे बड़ा भला यदि कोई कर सकता है, तो वह केवल आप स्वयं हैं। इसके बाद माता-पिता और गुरु ही आपके सबसे बड़े हितैषी होते हैं। दोस्त हमेशा आपको आगे बढ़ते देख खुश हों, यह जरूरी नहीं; लेकिन माता-पिता और शिक्षक की सबसे बड़ी खुशी आपके सफल होने में ही होती है।

इसलिए जीवन में अपना लक्ष्य स्पष्ट करें, स्वयं पर विश्वास रखें, सही लोगों का साथ चुनें और अपने कमिटमेंट को मजबूत बनाएं। सफलता निश्चित रूप से आपके कदम चूमेगी।

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर 25 मई को होंगे पूरे प्रदेश में कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमीं पर के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 25 मई को कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्य शासन ने समस्त जिलों में गंगा दशमी पर्व पर आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले मुख्य अतिथियों की सूची जारी की है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रतलाम, मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय धार, मंत्री श्री प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर, मंत्री श्री राकेश सिंह जबलपुर, मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सिवनी, मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह नर्मदापुरम, मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट देवास, मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग विदिशा, मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह निवाड़ी, मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री श्री राकेश शुक्ला भिंड, मंत्री श्री चेतन्य काश्यप भोपाल और मंत्री श्री इंदर सिंह परमार आगर-मालवा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसी प्रकार राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर सीहोर, राज्यमंत्री श्री धर्मेन्द्र भावसिंह लोधी खंडवा, राज्यमंत्री श्री दिलीप जायसवाल मंडला, राज्यमंत्री श्री गौतम टेटवाल उज्जैन, राज्यमंत्री श्री लखन पटेल दमोह, राज्यमंत्री श्री नारायण सिंह पंवार राजगढ़, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी सतना, राज्यमंत्री श्री दिलीप अहिरवार अनूपपुर और राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल बैतूल के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

संघ लोक सेवा आयोग नईदिल्ली द्वारा आयोजित सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 24 मई को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा 24 मई 2026 (रविवार) को सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2026 को दो सत्र में प्रातः 09:30 बजे से 11:30 बजे (प्रथम सत्र) एवं दोपहर 02:30 बजे से 04:30 बजे तक (द्वितीय सत्र) इंदौर केन्द्र (क्रमांक-78) से 27 परीक्षा उपकेन्द्रों पर आयोजित की जाएगी। उक्त परीक्षा में कुल 12,104 परीक्षार्थी सम्मिलित होगें।

इस परीक्षा के लिए आयोग द्वारा आयुक्त, इंदौर संभाग इंदौर को परीक्षा समन्वयक अधिकारी नियुक्त किया गया है। परीक्षा समन्वयक अधिकारी के सहयोग हेतु श्रीमती शैली कनाश, संयुक्त आयुक्त (लिटिगेशन) इंदौर संभाग, इंदौर को प्रभारी परीक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है।

परीक्षार्थियों का प्रवेश परीक्षा प्रारंभ होने के 1.30 घंटे पूर्व प्रारंभ हो जायेगा। परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रथम सत्र में प्रातः 9.00 बजे एवं द्वितीय सत्र में दोपहर 2.00 बजे बंद कर दिया जायेगा। परीक्षार्थियों को सलाह दी गई है कि असुविधा से बचने के लिये समय से पूर्व अपने-अपने परीक्षा केन्द्र पर पहुंचे। परीक्षार्थियों का प्रवेश आयोग द्वारा जारी किये गये प्रवेश पत्र एवं मूल आई.डी. के आधार पर होगा।

परीक्षार्थी प्रवेश के दौरान मोबाईल फोन, डिजिटल घड़ियां, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ, आई.टी. गैजेट्स, अन्य कोई इलेक्ट्रानिक उपकरण अथवा कोई भी ऐसा उपकरण जो संचार माध्यम के रूप में उपयोग किया जा सकता हो, लाईटर/माचिस आदि, हैंड बैग परीक्षा स्थल के अंदर ले जाना प्रतिबंधित है।

परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में कोई भी मूल्यवान अथवा मंहगी वस्तु साथ में न लाये। यदि कोई परीक्षार्थी ऐसा कोई प्रतिबंधित सामान साथ लाता है, तो वह उन्हें परीक्षा स्थल के बाहर सुरक्षित रखने की व्यवस्था स्वयं करेगा तथा इस संबंध में किसी भी प्रकार की हानि के लिये आयोग उत्तर दायी नहीं होगा।

परीक्षार्थी केवल आयोग द्वारा जारी ई-प्रवेश पत्र, पेन पेन्सिल, पहचान पत्र स्व फोटोग्राफ की प्रतियां (जहां लागू हो) तथा ई-प्रवेश पत्र में दिये गये निर्देश अनुसार ही वस्तुएँ परीक्षा स्थल पर साथ ले जाने की अनुमति होगी। इसके अतिरिक्त कोई अन्य वस्तु परीक्षा स्थल के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षार्थियों की फीस्किंग के उपरांत आयोग द्वारा ऐप के द्वारा परीक्षार्थियों का FACE AUTHENTICATION किया जायेगा। FACE AUTHENTICATION के उपरांत परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जायेगा। परीक्षा समन्वयक द्वारा संभागायुक्त कार्यालय, इंदौर में परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु कन्ट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

ड्रोन सर्विलांस से ट्रैफिक पर कड़ी नजर, पिक ऑवर्स में यातायात व्यवस्था रही सुचारु

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में बढ़ते यातायात दबाव को नियंत्रित करने और नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यातायात पुलिस द्वारा विशेष मॉनिटरिंग अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर के सिंह तथा पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त मार्गों पर पिक ऑवर्स के दौरान विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई।

यातायात की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखने के लिए ड्रोन कैमरों का उपयोग किया गया। ड्रोन सर्विलांस टीम ने राजवाड़ा, फरूट मार्केट, यशवंत रोड, खजूरी बाजार, सराफा, संजय सेतु, नंदलालपुरा, मृगनयनी क्षेत्र सहित रेडिसन, रोबोट चौराहा, साईं कृपा कट, पलासिया, घंटाघर, गिटार तिराहा और इंडस्ट्री हाउस क्षेत्र की लगातार मॉनिटरिंग की। जहां कहीं भी ट्रैफिक का दबाव या जाम की स्थिति दिखाई दी, वहां से तत्काल कंट्रोल रूम और संबंधित यातायात पॉइंट पर तैनात पुलिस बल को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर मौजूद अधिकारियों और जवानों ने त्वरित कार्रवाई कर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाया।

पिक ऑवर्स के दौरान यातायात पुलिस अधिकारी और जवान प्रमुख चौराहों पर पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात रहे। वरिष्ठ अधिकारियों ने लगातार फील्ड भ्रमण कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान वाहन चालकों को रेड सिग्नल, स्टॉप लाइन, निर्धारित लेन और सही दिशा में वाहन चलाने के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने तथा पैदल यात्रियों को ज़ेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करने की सलाह भी दी गई।

यातायात पुलिस ने शहरवासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन कर सुरक्षित, व्यवस्थित और सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

मास्टर प्लान सड़कों का आयुक्त ने किया निरीक्षण, मलबा हटाने और समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त Kshitij Singhal ने शुक्रवार प्रातः शहर की सफाई व्यवस्था और मास्टर प्लान अंतर्गत प्रस्तावित सड़कों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ अभय राजनगांवकर भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने हाल ही में मास्टर प्लान सड़क निर्माण के लिए बाधक निर्माण हटाने के बाद विभिन्न प्रमुख मार्गों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सड़क से मलबा हटाने, निर्माण कार्यों की प्रगति, यातायात व्यवस्था तथा नागरिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान छावनी चौराहा से मधुमिलन चौराहा, चंद्रभागा पुल से हरसिद्धि क्षेत्र तथा सदर बाजार रोड सहित अन्य प्रमुख मार्गों के चौड़ीकरण और सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई।

आयुक्त श्री सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाएं तथा निर्माण कार्यों के दौरान यातायात व्यवस्था और आमजन की सुविधाओं पर किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिए समुचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सड़क निर्माण में बाधक हटाने के बाद तत्काल मलबा साफ कराने के निर्देश भी दिए।

इसके साथ ही आयुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में प्रातःकालीन सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, रोड सफाई, डिवाइडर और सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मधुमिलन चौराहा, नगर निगम रोड, गुटकेश्वर महादेव, सदर बाजार रोड, कंडीलपुरा, छत्रीबाग, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर, सुपर कॉरिडोर, लवकुश चौराहा, बापट चौराहा, विजय नगर चौराहा, रिंग रोड, बंगाली चौराहा, खजराना चौराहा, वर्ल्ड कप चौराहा, एमवाय अस्पताल रोड, 56 दुकान, राजवाड़ा और गोपाल मंदिर सहित विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इको-सेंसिटिव जोन में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले उद्योगों, बड़ी फैक्ट्रियों आदि की स्थापना पर पूरी तरह रहेगा प्रतिबंध

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धार जिले में स्थित डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान, बाग का कुल अधिसूचित क्षेत्र केवल 89.740 हेक्टेयर है। भारत सरकार की अधिसूचना के अनुसार इस उद्यान के चारों ओर 250 मीटर के दायरे को इको-सेंसिटिव जोन घोषित किया गया है, जिसके भीतर सभी गतिविधियों का संचालन निर्धारित नियमों के अधीन ही किया जा सकता है। धार वन मंडल अधिकारी के अनुसार 250 मीटर के इको-सेंसिटिव जोन में रोजगार और पर्यटन की दृष्टि से स्थानीय युवाओं को पर्यटकों के ठहरने के लिए पर्यावरण अनुकूल अस्थाई कॉटेज, टेंट और लकड़ी के मकान (इको-रिसॉर्ट्स) बनाने तथा गाइड बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे घर बैठे रोजगार मिलेगा। जैविक खेती, कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों की बिक्री को सरकार द्वारा सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा। गांवों में वर्षा जल संचयन, बायोगैस और सोलर लाइट जैसी उन्नत तकनीकों का विस्तार किया जाएगा। ग्रामीणों की पारंपरिक खेती, बागवानी और डेयरी/पशुपालन जैसी गतिविधियां पहले की तरह जारी रहेंगी। वास्तविक कृषि और घरेलू उपयोग के लिए कुओं/ट्यूबवेल से पानी निकालने पर कोई रोक नहीं है। स्थानीय निवासियों को अपनी घरेलू आवश्यकताओं के लिए न्यूनतम और जरूरी निर्माण कार्य करने की अनुमति नियमों के अनुसार आसानी से मिलती रहेगी। गांवों की मौजूदा सड़कों को चौड़ा और सुदृढ़ करने तथा बिजली/दूरसंचार लाइनों के विस्तार का कार्य तय दिशा-निर्देशों के तहत सुचारू रूप से किया जाएगा।

रोज़गार मेला में 51 हजार से अधिक युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र, प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित रोज़गार मेला एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है। शुक्रवार को आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री Narendra Modi ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देशभर के नव-नियुक्त अभ्यर्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी विभागों और संस्थानों में चयनित 51 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए।

देशभर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें रेलवे, भारतीय डाक विभाग, आईआईटी इंदौर तथा केंद्रीय बैंकों सहित विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों में नियुक्त अभ्यर्थी शामिल रहे। चयनित अभ्यर्थियों को स्थानीय कार्यक्रमों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपे गए। रतलाम में यह कार्यक्रम रुद्र पैलेस में आयोजित हुआ, जहां केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री Savitri Thakur ने नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री Chaitanya Kumar Kashyap, पद्मश्री Leela Joshi सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुल 134 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 107 अभ्यर्थी रेलवे विभाग से संबंधित थे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रोज़गार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाने की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने नव-नियुक्त अभ्यर्थियों से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

इस दौरान चयनित अभ्यर्थियों को टेक्नीशियन, सहायक लोको पायलट, बैंक पीओ, पॉइंट्समैन, डाक सेवक सहित विभिन्न पदों पर नियुक्ति दी गई। कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक रतलाम Ashwini Kumar सहित रेलवे, डाक विभाग, बैंक और आईआईटी इंदौर के अधिकारी भी मौजूद रहे।

केन्द्रीय विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने किया संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का दौरा

उत्पादन प्रदर्शन, कोयला गुणवत्ता प्रबंधन एवं पर्यावरणीय व्यवस्थाओं की सराहना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर के एक दिवसीय दौरे में विद्युत गृह की विद्युत उत्पादन क्षमता, संचालन दक्षता व कोयला लोडिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण प्रक्रियाओं का विस्तृत अवलोकन किया। इस अवसर पर उन्होंने संजय गांधी ताप विद्युत गृह की उत्पादन उपलब्धियों एवं परिचालन प्रणाली की सराहना करते हुए इसे विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का उदाहरण बताया। इस दौरान श्री पंकज अग्रवाल ने मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह व वरिष्ठ अभयिंताओं के साथ समीक्षा बैठक कर विद्युत उत्पादन से संबंधित विभिन्न तकनीकी एवं परिचालन पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने संयंत्र में कोयले की गुणवत्ता, आपूर्ति प्रक्रिया तथा परीक्षण तंत्र को विस्तार से समझा एवं अभियंताओं से इस संबंध में व्यावहारिक अनुभव और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की।

समीक्षा बैठक में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल को कोयले की लोडिंग, अनलोडिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। कोल वॉशरी संचालन एवं उसके निस्तारण तंत्र की जानकारी साझा की गई। बैठक के दौरान प्रबंध संचालक ने विद्युत उत्पादन संयंत्रों के समक्ष कोयले की गुणवत्ता एवं ग्रेड निर्धारण से जुड़ी चुनौतियों को प्रमुख विषय के रूप में प्रस्तुत किया तथा इस दिशा में बेहतर समाधान की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कोयले की गुणवत्ता एवं ग्रेड विभेद से संबंधित चुनौतियों को गंभीरता से सुनकर उन्होंने इस दिशा में सकारात्मक एवं व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कंपनी द्वारा अपनाई गई फ्लाई ऐश प्रबंधन एवं निस्तारण व्यवस्था की भी विशेष सराहना की तथा विशेष रूप से श्री सिंगाजी ताप विद्युत गृह में विकसित प्रणाली को इस क्षेत्र में एक अनुकरणीय मॉडल बताया।

केन्द्रीय विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल ने कंपनी के विद्युत उत्पादन प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी की उत्पादन इकाइयाँ उच्च दक्षता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही हैं, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि उत्पादन क्षमता के साथ गुणवत्ता आधारित संचालन और संसाधनों के बेहतर उपयोग की दिशा में कंपनी के प्रयास उल्लेखनीय हैं।

प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने कहा कि केन्द्रीय विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल का यह दौरा बिरसिंगपुर एवं कंपनी के लिए गौरव एवं प्रेरणा का विषय है। उन्होंने कहा कि कंपनी की कार्यकुशलता, तकनीकी उत्कृष्टता एवं विश्वसनीय विद्युत उत्पादन के प्रति प्रतिबद्धता को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलना समस्त अभियंताओं व कार्मिकों के लिए उत्साहवर्धक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह दौरा भविष्य में और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुखी कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करेगा।

केन्द्रीय विद्युत सचिव श्री पंकज अग्रवाल व पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह सहित उपस्थित वरिष्ठ अभयिंताओं द्वारा विद्युत गृह परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस दौरान श्री पंकज अग्रवाल ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह परिसर में विकसित हरित वातावरण, स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन की सराहना करते हुए इसे सतत् एवं उत्तरदायी औद्योगिक संचालन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

इस अवसर पर डायरेक्टर टेक्नकिल श्री सुबोध निगम, कार्यपालक निदेशक उत्पादन श्री एच.के. त्रिपाठी, मुख्य अभियंता संचालन एवं संधारण श्री उदित अग्रवाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता प्रशिक्षण एवं विकास श्री अशोक कुमार तिवारी सहित कंपनी के अन्य वरिष्ठ अभियंता व कार्मिक उपस्थित थे।

'वर्दी से जागी नई उम्मीद' अभियान के तहत इंदौर पुलिस की अनूठी पहल, युवाओं को नशे से दूर रहने का दिया संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशा मुक्त समाज के निर्माण और युवाओं को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस द्वारा ÷वर्दी से जागी नई उम्मीद÷ अभियान के अंतर्गत द्वितीय सत्र का आयोजन किया गया। यह अभियान पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा पुलिस उपायुक्त (जोन-3) अभिषेक रंजन के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बालक एवं युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर कर उन्हें सुरक्षित और सकारात्मक भविष्य की ओर प्रेरित करना है।

कार्यक्रम में लगभग 40 ऐसे बालक एवं युवाओं को उनके परिजनों सहित शामिल किया गया, जो नशे की ओर अग्रसर पाए गए थे। कार्यक्रम को केवल औपचारिक न रखकर संवादात्मक और प्रेरणादायक स्वरूप दिया गया। बच्चों और युवाओं की रुचि बनाए रखने के लिए विभिन्न मनोरंजक खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। खेलों में विजयी बच्चों को थाना प्रभारी के साथ आइसक्रीम खिलाई गई, जिससे बच्चों में पुलिस के प्रति आत्मीयता और विश्वास का माहौल बना। उपस्थित युवाओं ने नशे से दूर रहने का संकल्प लेते हुए पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन-3) रामसनेही मिश्रा एवं सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज सर्कल तुषार सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके मार्गदर्शन में थाना संयोगितागंज, पलासिया और छोटी ग्वालटोली क्षेत्र के युवाओं तथा उनके परिजनों को कार्यक्रम से जोड़ा गया।

इस दौरान थाना प्रभारी संयोगितागंज के पी यादव, थाना प्रभारी पलासिया सुरेंद्र सिंह रघुवंशी, प्रभारी थाना प्रभारी छोटी ग्वालटोली सत्यजीत चौहान, उपनिरीक्षक जालम सिंह चौहान सहित अन्य पुलिसकर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों और टीम द्वारा युवाओं एवं उनके परिजनों की व्यक्तिगत काउंसलिंग की गई। प्रथम सत्र के अनुभवों के आधार पर पाया गया कि परिवार में नशे का वातावरण, आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियां, गलत संगति और नकारात्मक सामाजिक प्रभाव युवाओं को नशे की ओर धकेलने के प्रमुख कारण हैं। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए इंदौर पुलिस ने नियमित काउंसलिंग, मार्गदर्शन और सतत निगरानी की कार्ययोजना तैयार की है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगामी सत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थाओं की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके। इंदौर पुलिस की यह पहल केवल नशा मुक्ति अभियान नहीं, बल्कि युवाओं के जीवन में विश्वास, सुरक्षा और नई उम्मीद जगाने का प्रयास बनकर सामने आई है।

समान नागरिक संहिता पर जन परामर्श बैठक सम्पन्न, उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न पक्षों से संवाद कर लिए सुझाव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन द्वारा समान नागरिक संहिता के संबंध में अध्ययन एवं परीक्षण हेतु गठित उच्च स्तरीय समिति की जन परामर्श बैठक आज शनिवार को जाल सभागृह, इंदौर में आयोजित की गई। बैठक में समान नागरिक संहिता से जुड़े सामाजिक, विधिक एवं प्रशासनिक पहलुओं पर जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों तथा विभिन्न वर्गों से सुझाव प्राप्त किये गए।

बैठक की अध्यक्षता समिति के सदस्य श्री शत्रुघन सिंह (सेवानिवृत्त भा.प्र.से.) ने की । इस अवसर पर समिति के अन्य सदस्य श्री अनूप नायर (कानूनविद), श्री गोपाल शर्मा (शिक्षाविद) एवं श्री बुधपाल सिंह (सामाजिक कार्यकर्ता) भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री श्रवण चावड़ा, पूर्व विधायक श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री गोपीकृष्ण नेमा सहित अन्य जन प्रतिनिधि आदि ने भी शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए । कलेक्टर श्री शिवम वर्मा तथा समिति के सचिव श्री अजय कटेसरिया भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों, पत्रकारों तथा गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

शक्तिकेंद्र डीकेन की बैठक संपन्न, संगठनात्मक कार्यों और मन की बात कार्यक्रम पर हुई विशेष चर्चा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी मंडल रतनगढ़ के अंतर्गत नगर डीकेन शक्तिकेंद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी मन की बात कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विशेष चर्चा की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शक्तिकेंद्र प्रभारी एवं रतनगढ़ नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि श्री शिवनंदन जी छिपा पधारे। बैठक की शुरुआत में नगर भाजपा अध्यक्ष संदीप जी सोनी ने मुख्य अतिथि का दुपट्टा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया।

संगठन ऐप पर अपलोड होंगे कार्यक्रम- बैठक को संबोधित करते हुए शक्तिकेंद्र प्रभारी श्री छिपा ने आगामी सांगठनिक गतिविधियों की रूपरेखा रखी। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पार्टी द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों और मन की बात कार्यक्रम की जानकारी को संगठन ऐप पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए, ताकि डिजिटल माध्यम से भी संगठन को मजबूती मिल सके।

वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता रहे उपस्थित।इस महत्वपूर्ण बैठक में पदाधिकारी उपस्थित रहे,श्री गोविंद जी मंडोवरा (वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व नगर अध्यक्ष)

श्री नितेश सेन (मंडल उपाध्यक्ष)श्रीदिनेश जी गोयल (बूथ अध्यक्ष) श्री हरिओम जी जोशी (बूथ अध्यक्ष) श्री राकेश जी सेन (वरिष्ठ भाजपा नेता)श्री हुकमीचंद जी गोयल (वरिष्ठ भाजपा नेता)श्री रामु जी मंडावत (वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व बूथ अध्यक्ष)श्री कमल शर्मा,श्री आकाश जोशी उपस्थित रहे।

जावद बस स्टैंड पर चला प्रशासन का बुलडोजर, धड़ाधड़ टूटे अतिक्रमण, पूरे कस्बे में मची हलचल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद बस स्टैंड पर शनिवार को प्रशासन का बुलडोजर एक्शन देखने को मिला। लंबे समय से बस स्टैंड क्षेत्र में फैले अस्थायी अतिक्रमणों पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए धुंआधार कार्रवाई की। बुलडोजर चलते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

कार्रवाई के दौरान एडीएम, एसडीओपी, तहसीलदार, टीआई, पटवारी सहित भारी पुलिस बल और पूरा प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद रहा। प्रशासन ने दुकानदारों द्वारा किए गए अस्थायी कब्जों को हटाते हुए सड़क और बस स्टैंड क्षेत्र को खाली कराया।

बताया जा रहा है कि प्रशासन ने पहले ही दुकानदारों को एक दिन का समय देकर अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी थी। वहीं कुछ दिन पहले एसपी राजेश व्यास जावद के दौरे के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी बस स्टैंड क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की मांग उठाई थी। इसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुलडोजर उतार दिया।

जैसे-जैसे बुलडोजर आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे अवैध कब्जे धड़ाधड़ हटते गए। कार्रवाई के दौरान कई दुकानदारों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से बस स्टैंड क्षेत्र में वर्षों से फैली अव्यवस्था पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

प्रशासन ने साफ संकेत दिए हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कृषि रथ द्वारा भ्रमण कर, ग्राम पंचायतों में किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकों की जानकारी दी गई

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. शासन तथा कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह के निर्देशानुसार 16 मई से 10 दिवस तक जिले मे कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि रथ का संचालन किया जा रहा है। जिसमें कृषि एवं संबद्ध विषयों जैसे उद्यानिकी, पशुपालन, आत्मा, मत्स्य पालन पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिकी तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों को दी जा रही। आज 23 मई को विकासखंड रतलाम के ग्राम मुदडी, पलास, लालगुवाडी, विकासखंड सैलाना के भामट, ठिकरिया, कांगसी, विकासखंड बाजना के खेडी, नायन, सादेडा, विकासखंड जावरा के ढोढर, मोरिया, रोला, विकासखंड आलोट के करवाखेडी, बरखेडा खुर्द, चापलाखेडी विकासखंड पिपलोदा के रानीगावं, मावता, रणायरा में कृषि रथ द्वारा भ्रमण कर जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, पराली न जलाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देना, ई विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन जनरेट कर उर्वरक वितरण व्यवस्था के संबंध में कृषकों को जानकारी दी गई। उप संचालक कृषि श्री आर.के. सिंह ने बताया कि 25 मई को विकासखंड रतलाम के नामली, पलदूना, भारोडा विकासखंड सैलाना के सुण्डी, शिवगढ़, तालाबबोडी विकासखंड बाजना के हरथल, रावटी, देथला , विकासखंड जावरा के मांडवी, शक्करखेड़ी, असावती, विकासखंड आलोट के आक्याकलां, माधोपुर, माल्याताल, विकासखंड पिपलोदा के कालूखेड़ा, मामटखेड़ा, तालिदाना में रथ भ्रमण करेगा।

कनावटी में बिजली कटौती के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, किया चक्काजाम, मुख्य मार्ग हुआ ठप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय से करीब 3 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम कनावटी के मुख्य मार्ग पर शनिवार दोपहर ग्रामीणों ने विद्युत कटौती के विरोध में चक्काजाम कर दिया। जानकारी के अनुसार ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार अघोषित बिजली कटौती से वे परेशान हैं। प्रदर्शन के दौरान सरपंच सोनू सेन भी मौजूद रहे।

सरपंच सोनू सेन ने बताया कि बिजली कंपनी के अधिकारियों को कई बार शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि रात्रि के समय भी बार-बार बिजली गुल हो रही है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानी हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पेयजल व्यवस्था एक ही ट्यूबवेल पर निर्भर है, और बिजली कटौती के कारण गर्मी के मौसम में पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही है।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बिजली कंपनी मनमाने ढंग से कटौती कर रही है और कोई निश्चित समय नहीं है। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई है और स्थिति पर नजर रखे हुए है।

नीमच एसपी राजेश व्यास का एक्शन मोड ! थानों और चौकियों का औचक निरीक्षण, पुलिस व्यवस्था का लिया जायजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में पुलिस व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास लगातार एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को एसपी राजेश व्यास ने जावद अनुभाग के पुलिस थाना सिंगोली, रतनगढ़, मनासा सहित सरवानिया महाराज, डीकेन और कंजार्डा पुलिस चौकियों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने थानों की हवालात, रिकॉर्ड रूम, सीसीटीवी सिस्टम, अपराध रजिस्टर और विभिन्न पुलिस रिकॉर्ड का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने हवालात में साफ-सफाई बनाए रखने, रोशनदान बंद रखने और शौचालयों की नियमित सफाई के निर्देश दिए।

एसपी व्यास ने थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की भी जानकारी ली और सभी कैमरे लगातार चालू रखने तथा उनका बैकअप सिस्टम मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही थाना प्रभारी कक्ष और एचसीएम रूम में अतिरिक्त मॉनिटर लगाने को भी कहा।

निरीक्षण के दौरान अपराध रजिस्टर, वारंट तामीली, एमएलसी रजिस्टर, गुंडा और एचएस फाइलों की भी जांच की गई। एसपी ने लंबित वारंटों की जल्द तामीली करने और सभी रिकॉर्ड अपडेट रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने थाना क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों और आदतन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। वहीं रात्रि गश्त को और प्रभावी बनाने के लिए धार्मिक स्थलों, बैंक एटीएम, पेट्रोल पंप और भीड़भाड़ वाले इलाकों में लगातार चेकिंग करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान राजेश व्यास ने सिंगोली थाना क्षेत्र से लगी राजस्थान बॉर्डर का भी निरीक्षण किया और नियमित नाकाबंदी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीओपी जावद रोहित राठौर एवं एसडीओपी मनासा निकीता सिंह भी मौजूद रहीं।

नीमच के 3 बड़े अस्पतालों पर प्रशासन सख्त- अग्नि सुरक्षा में लापरवाही पर नोटिस, 7 दिन में सुधार न हुआ तो सील होंगे अस्पताल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच जिले में मरीजों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले अस्पतालों पर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। एसडीएम नीमच, संजीव साहू ने जिले के तीन प्रमुख अस्पतालों श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, चौरडिया हॉस्पिटल और गोमाबाई नेत्रालय को अग्नि और विद्युत सुरक्षा मानकों में भारी लापरवाही बरतने के कारण कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं।

प्रशासन द्वारा मई माह में गठित विशेष दल ने कई अस्पतालों का औचक निरीक्षण किया, जिसमें मरीजों की जान जोखिम में डालने वाली गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। एसडीएम श्री साहू ने स्पष्ट किया है कि यदि 7 दिनों के भीतर इन कमियों को दूर नहीं किया गया, तो संबंधित अस्पतालों का लाइसेंस निलंबित कर उन्हें सील कर दिया जाएगा।

निरीक्षण में पाई गई प्रमुख गंभीर खामियां- प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, तीनों अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से लचर पाई गई है-

श्रीराम मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल- औचक निरीक्षण दल ने पाया कि यहाँ स्टाफ को अग्निशामक यंत्रों का कोई प्रशिक्षण नहीं है। साथ ही, बेसमेंट पार्किंग बिना अनुमति के चल रही है और एनआईसीयू वार्ड का संचालन भी बिना वैध अनुमति के किया जा रहा है। अग्निशमन यंत्रों का रखरखाव भी सही नहीं पाया गया।

चौरडिया हॉस्पिटल- अस्पताल के पास स्थायी फायर एनओसी का अभाव है। निरीक्षण में फायर हाइड्रेंट सिस्टम निष्क्रिय मिले, उनमें पानी का प्रेशर तक नहीं था। इसके अलावा, बिना वैध दस्तावेजों के बेसमेंट में ब्लड बैंक का संचालन और मेडिकल स्टोर पर फार्मासिस्ट की अनुपस्थिति भी बड़ी चूक है।

गोमाबाई नेत्रालय- अस्पताल की लॉबी में स्मोक डिटेक्टर नहीं हैं। कैंटीन एरिया में एग्जॉस्ट सिस्टम बंद है और वहां अव्यवस्थित वायरिंग पाई गई है, जो शॉर्ट सर्किट का बड़ा कारण बन सकती है। लिफ्ट के आपातकालीन बटन और नंबर भी निष्क्रिय पाए गए।

प्रशासन की दो-टूक- जनहानि बर्दाश्त नहीं- एसडीएम संजीव साहू ने चेतावनी दी है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर अग्नि सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ÷अस्पतालों में पाई गई कमियों के कारण किसी भी आकस्मिक दुर्घटना की स्थिति में मरीजों का बचाव करना असंभव होगा। इन लापरवाहियों से बड़ी जनहानि हो सकती है।÷

प्रशासन ने जिले के सभी नर्सिंग होम्स और बहुमंजिला भवनों को भी कड़े निर्देश दिए हैं कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का तुरंत पालन सुनिश्चित करें। निर्धारित समय-सीमा के बाद दोबारा जांच की जाएगी और नियमों की अनदेखी पाए जाने पर संस्था प्रबंधकों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जनहित की दृष्टी से नीमच प्रशासन द्वारा संभावित दुर्घटनाओं से पूर्व ही संस्थानों को आगाह कर दिया गया है और इन संस्थानों को भी समय पर इन सभी आशंकाओं को दूर कर व व्यवस्थाएं बना कर खुद को और जनता को संभावित खतरों से बचाने के जातां कर लेना चाहिए।

श्री न्यायपति तोप वाले बालाजी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा एवं कलश आरोहण एवं पंच कुण्डात्मक महायज्ञ 17 जून को होगा

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। न्याय के देवता जन जन की आस्था श्रद्धा एवं भक्ति का केंद्र श्री न्यायपति तोप वाले बालाजी मंदिर परिसर में 13 से 17 जून तक लक्ष्मीजी कुबेरजी व शिव परिवार (स्फटिक शिवलिंग) एवं शनि देव प्रतिमाओं का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं कलश आरोहण समारोह एवं पंच कुण्डात्मक महायज्ञ वेदपाठी ब्राह्मणो द्वारा हर्ष उल्लास के साथ संपन्न होगा। जिसमें 13 जून, शनिवार को भव्य सुन्दर काण्ड पाठ होगा तथा 16 जून, मंगलवार को सायं 4 बजे बड़े बालाजी बस स्टेण्ड से भव्य शोभा यात्रा निकलेगी जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई तोप वाले बालाजी मंदिर परिसर पहुंचेगी। 17 जून, बुधवार को प्रातः 10.48 पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं कलश आरोहण समारोह आयोजित होगा तथा इसी दिन सायं 5.30 बजे महाप्रसादी (भण्डारा) का आयोजन होगा। 13 जून से होने वाले पंचदिवसीय पंचकुण्डात्मक महायज्ञ के निमित्त गुरु पुष्य नक्षत्र के अवसर पर परिसर में यज्ञशाला का भूमि पूजन एवं महाध्वजारोहण कार्यक्रम तीन छत्री धाम खानपुरा के परम् पूज्य गुरुदेव श्री रामकिशोर दास जी महाराज, प्रख्यात कथावाचक श्री पं. विष्णु जी शर्मा, पं. शिवकरण जी प्रधान के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, ब्रजेश जोशी, प्रवीण मंडलोई, कन्हैयालाल सोनगरा, बंसीलाल टॉक, राजेंद्र अग्रवाल, रूपनारायण मोदी, विनय दुबेला, निलेश जैन, पुलकित पटवा, पं. दिलीप शर्मा, समिति के सचिव सुरेश देवड़ा, कोषाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, सुरेश गुप्ता, प्रेम कहार, दुर्गा प्रसाद माथुर, वरदीचंद कुमावत, सत्येन्द्रसिंह सोम, सुरेन्द्र रामावत, मंगल बैरागी, बी.एस. सिसौदिया, दिनेश जेठानिया एडवाकेट, अशोक देवड़ा एडवोकेट, विश्वनाथ सोनी एडवोकेट, राजेश सोनी ऐरावाला, रेखा राजेश सोनी पार्षद, पिंकेश कुमावत, दिनेश जोशी, संजय देवड़ा, पं. राकेश भट्ट, पं. सतीश भट्ट, पं. कृष्णगोपाल शर्मा, विपिन भादविया, रमेश कास्तकार, विनोद जोशी, राजेन्द्र नीमे, गोविंद नागदा आदि उपस्थित थे। आभार समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत ने माना।

गीता-भारती निःसंदेह एक अद्भुत धार्मिक दुर्लभ रचनाः पंडित कैलाशचंद्र भट्ट

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर के मुख्य पुजारी कैलाश चंद्र भट्ट ने पंडित प. मुस्तफा आरिफ द्वारा रचित पुस्तक गीता-भारती (भगवद गीता- 786 हिंदी मुक्तक में) ने भगवान पशुपतिनाथ के श्रीचरणो में समर्पित की। इस अवसर पर पंडित कैलाश चंद्र भट्ट ने कहा कि भगवद गीता के संदेश का इतना सुगम सरल और सुबोध प्रस्तुतीकरण आज तक मेंने अपने जीवनकाल में नहीं देखा। मेरी मंगलकामना हैं कि प. मुस्तफा आरिफ की यह साधना फलीभूत हो, हर घर हर हाथ में पुस्तक पहुंचे। पंडित भट्ट ने कहा कि मध्यप्रदेश के पूर्व राज्यपाल मेहमूद अली खान जब पशुपतिनाथजी मंदिर आए थे, तब उन्होंने सनातन धार्मिक पद्धति से स्वयं संस्कृत श्लोक पढ़कर पूजा अर्चना कर जो हृदय में स्थान बनाया था। मुस्तफ़ा आरिफ के इस श्रम साध्य कार्य ने उनकी याद ताज़ा कर दी। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार व दैनिक मालव अलंकरण के प्रधान संपादक प्रकाश सिसौदिया ने गीता-भारती जन-जन पहुंचे, इस हेतु विशेष पूजा अनुष्ठान करते हुए पंडित मुस्तफा आरिफ को बधाई दी और मंगलकामनाए व्यक्त की। इस अवसर पर पशुपतिनाथजी मंदिर के पुजारी पंडित सुरेंद्र आचार्य, बलदेव सिंह चौहान और पशुपतिनाथ मंदिर से जुड़े अन्य सम्मानित नागरिक उपस्थित थे।

अब थाने में ही मिलेगा साइबर अपराधों का समाधान!

नीमच पुलिस ने शुरू की साइबर हेल्प डेस्क, 30 पुलिसकर्मियों को दिया विशेष प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नीमच पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है। अब साइबर फ्रॉड या ऑनलाइन ठगी के शिकार लोगों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा, क्योंकि जिला नीमच के सभी पुलिस थानों में साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है।

पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के निर्देशन में शुरू की गई इस पहल के तहत प्रत्येक पुलिस थाने में साइबर मामलों के लिए प्रशिक्षित पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। इसी उद्देश्य से शनिवार को पुलिस कंट्रोल रूम नीमच में एक दिवसीय विशेष साइबर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जिले के प्रत्येक थाने से 3-3 आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक स्तर के करीब 30 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण के दौरान साइबर सेल नीमच की टीम और पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने पुलिसकर्मियों को ऑनलाइन ठगी, बैंक फ्रॉड, सोशल मीडिया अपराध और साइबर अपराधों से संबंधित मामलों के त्वरित निराकरण की जानकारी दी। साथ ही भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न ऑनलाइन पोर्टल्स की कार्यप्रणाली भी समझाई गई।

कार्यशाला में NCRP, SANCHAR SATHI, SAMANVAY, CEIR और CYBER POLICE PORTAL जैसे महत्वपूर्ण पोर्टलों का उपयोग प्रैक्टिकल तरीके से सिखाया गया। पुलिसकर्मियों को बताया गया कि साइबर अपराध होने पर पीड़ित की शिकायत किस प्रकार तुरंत 1930 हेल्पलाइन और cybercrime.gov.in पोर्टल पर दर्ज कर त्वरित कार्रवाई की जा सकती है।

प्रशिक्षण के दौरान राजेश व्यास ने कहा कि साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात पुलिसकर्मियों का तकनीकी रूप से दक्ष होना बेहद जरूरी है, ताकि थाने पर आने वाले हर पीड़ित को तुरंत राहत मिल सके। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि साइबर अपराध की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करें और जरूरत पड़ने पर साइबर सेल से मार्गदर्शन लेकर पीड़ितों की सहायता सुनिश्चित करें। नीमच पुलिस की इस नई पहल को साइबर अपराधों के खिलाफ बड़ी और महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को अब थाने स्तर पर ही त्वरित मदद मिल सकेगी।

राजस्व न्यायालयों में शिविर आयोजित कर बंटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन प्रकरणो का निराकरण किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार रतलाम जिले में राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण का अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 30 मार्च 2026 तक दर्ज बंटवारा, नामांतरण एवं सीमांकन के लंबित मामलों का निराकरण 31 मई 2026 तक करने के निर्देश दिए गए हैं। राजस्व अधिकारियों को समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण कर हितग्राहियों को संशोधित दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। रतलाम जिले में राजस्व न्यायालयों में विशेष अभियान के तहत प्रति शनिवार शिविर आयोजित कर प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है ।

मनासा में पीडीएस चावल की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई, तीन दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में शासकीय राशन की कालाबाजारी और अवैध संग्रहण के खिलाफ प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में मनासा के भाटखेड़ी नाका क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के फोर्टिफाइड चावल का अवैध संग्रहण पाए जाने पर तीन दुकानदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश एवं अपर कलेक्टर बी.एस. कलेश के आदेश के पालन में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी जितेन्द्र नागर द्वारा थाना मनासा में मामला दर्ज कराया गया। जानकारी के अनुसार 6 अप्रैल 2026 को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) किरण आंजना के निर्देश पर नायब तहसीलदार रूपसिंह राजपूत एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी द्वारा भाटखेड़ी नाका स्थित अनाज दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान दुकानों में शासकीय उचित मूल्य दुकानों से वितरित किए जाने वाले पीडीएस के फोर्टिफाइड चावल का अवैध संग्रहण पाया गया। कार्रवाई के दौरान विशाल पिता अशोक राठौड़ के यहां से 297 किलो, लक्की पिता दिलीप सोनी के यहां से 40 किलो तथा रवि पिता भारत लोहार के यहां से 275 किलो शासकीय चावल जब्त किया गया। जांच टीम को मौके पर किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज, अभिलेख या खरीद-बिक्री संबंधी बिल प्रस्तुत नहीं किए गए। प्रशासन के अनुसार यह कृत्य म.प्र. सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 की कंडिका 13(1) एवं 13(2) का उल्लंघन है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध की श्रेणी में आता है।

फिल्में देख बनाई फिरौती की योजना, 15 लाख मांगे, फिर पुलिस ने योजना बनाकर धरदबोचा, बोहरा समाजजन ने एसपी का किया सम्मान

तीन-चार वर्ष पूर्व पीड़ित के घर एसी फिटिंग करने आया था आरोपी, शूटआउट एट लोखंडवाला फिल्म तथा अन्य हॉलीवूड व बॉलीवूड फिल्म देखी थी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीना के मार्गदर्शन एवं एएसपी टीएस बघेल व सीएसपी जितेन्द्र सिंह भास्कर के निर्देशन में तथा थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस के द्वारा बोहरा कम्युनिटी के एक व्यक्ति से 15 लाख रुपयो की फिरौती मांगने व रुपये नही देने पर जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को 36 घंटे में गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। इस पर शनिवार को बोहरा समाजजन द्वारा एसपी श्री मीना का सम्मान किया गया।

घटना अनुसार दिनांक 19 मई को जनसुनवाई में फरियादी तैय्यब अली पिता हकीमुद्दीन हाफिजी बोहरा निवासी मुफद्दल टाउन शिप नई अभिनंदन ग्रीन वेली मंदसौर के द्वारा पुलिस अधीक्षक के समक्ष बताया कि 18 मई को शाम के समय अज्ञात आरोपी द्वारा मोबाईल के माध्यम से 05 लाख रुपये फिरौती की मांग की है और नही देने पर जान से मारने कि धमकी दी है। जिस पर निर्देश के तहत अनुसंधान के दौरान फरियादी को आरोपी के द्वारा बाद में जब भी फोन लगाया जाएगा। इस पर क्या कार्यवाही की जानी है, उसके संबध में विस्तृत समझाईश दी गई। फरियादी द्वारा मोबाईल चर्चा की गई। आरोपी द्वारा पुनः फोन कर धमकाया कि तुमने मेरे कहे अनुसार 05 लाख रुपयो की व्यवस्था तत्काल नही की है। अब तुम्हे 15 लाख रुपये देने पडेंगे। इस तरह पुलिस ने योजना बनाकर तकनीकी जानकारी प्राप्त कर आरोपी रेहान पिता कल्लु खां जाति मेवाती उम्र 19 साल निवासी चंद्रपुरा हालमुकाम खिलचीपुरा थाना नई आबादी को 22 मई को धरदबोचा। पूछताछ के दौरान मालूम हुआ कि आरोपी रेहान करीब 03-04 वर्ष पूर्व जब फरियादी का मकान बन रहा था, तब वहां एसी फिटींग के काम से गया था। तभी आरोपी के द्वारा फिरौती के संबंध में बात अपने मन में बना ली थी। आरोपी रेहान द्वारा फिरौती हेतु करीब 07 माह पूर्व अपराध के लिए एक मोबाईल क्रय किया था, उसका कही अन्यत्र उपयोग नही किया था। आरोपी रैहान के द्वारा फिरौती के लिये ट्रेन में सफर के दौरान उज्जैन से इंदौर के मध्य चार्जिंग पर लगे एक मोबाईल से सिम चोरी कर उक्त अपराध को अंजाम दिया। आरोपी रैहान के द्वारा एक मजदूर से भी संपर्क कर उसको अपनी बातो में लेकर उसके नाम से भी सिम लेकर अपराध में प्रयोग करने की मंशा रखी। आरोपी पढा-लिखा है। पूछताछ के दौरान बताया कि उसने शुटऑउट एट लोखंडवाला व अन्य हॉलीवूड, बॉलीवूड व वेब सीरिज की फिल्मो को देखकर यह योजना बनाई थी। इस सराहनीय कार्य में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौड़, उनि शैलेन्द्र सिह कनेश, सउनि अभिषेक पाल, प्रआर कमलेश सिंह भदौरिया, अजय सिंह सोलंकी, आशीष बैरागी (सायबर सेल जिपुका), आरक्षक मनीष बघेल(सायबर सेल जिपुका), मुजफ्फर उद्दीन (सायबर सेल जिपुका), हरिश राठौर, भानुप्रताप सिंह, नरेन्द्र सिंह, भारत बैरागी, आशुतोष गिरी, भगवान दास, समरथ, सुनिल किरार, सुरेश चौहान, योगेश साहू, मनीष धौलपुरिया, महेश चौहान (सीसीटीवी कंट्रोल रुम) की सराहनीय भूमिका रही।

सम्पादकीय

हनीट्रैप – जब कामयाब इंसान खुद अपनी कमजोरी का शिकार बन जाता है

कॉर्पोरेट हनीट्रैप आज के डिजिटल युग का अदृश्य जाल है, जो झूठी मुस्कान, आकर्षक संवाद और तकनीकी परतों के पीछे छिपकर सत्ता और सफलता की ऊँची कुर्सियों तक पहुँच चुका है। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक छल, भावनात्मक शोषण और डिजिटल हथियारों का संगम है। सक्सेस, सेक्स और साइलेंट ब्लैकमेल का यह खतरनाक गठजोड़ अफसरों, नेताओं और कॉर्पोरेट अधिकारियों के लिए सबसे बड़ा अदृश्य संकट बन चुका है। इसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि यह जाल बाहर से नहीं, बल्कि अपने ही मोबाइल और अनजाने भावनात्मक निर्णयों से बुना जाता है।

इस पूरे जाल की शुरुआत बेहद सामान्य और निर्दोष लगती है। एक आकर्षक प्रोफाइल, शालीन संवाद और धीरे-धीरे बढ़ती हुई मित्रता इस प्रक्रिया का पहला चरण होती है। अकेलापन, तनाव और कार्यभार से थके हुए अधिकारी या कारोबारी इस डिजिटल अपनापन को वास्तविक मान बैठते हैं। सोशल मीडिया, डेटिंग ऐप्स और प्रोफेशनल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म इसके आसान प्रवेश द्वार बन जाते हैं। शुरुआत में बातचीत साधारण लगती है, लेकिन धीरे-धीरे यह निजी होती जाती है और फिर भावनात्मक जुड़ाव में बदल जाती है। यही वह क्षण होता है जहां व्यक्ति अनजाने में नियंत्रण खोने लगता है।

जैसे-जैसे भरोसा गहराता है, वैसे-वैसे निजी जानकारी, फोटो, वीडियो कॉल और व्यक्तिगत मुलाकातें इस संबंध का हिस्सा बनती जाती हैं। यही वह चरण है जहां असली जाल बिछता है। कई मामलों में यह सब पहले से योजनाबद्ध होता है, जिसमें हर बातचीत रिकॉर्ड की जाती है या सुरक्षित कर ली जाती है। बाद में यही सामग्री हथियार बन जाती है। शुरुआत में हल्की मांग, फिर आर्थिक दबाव और अंततः यह प्रक्रिया ब्लैकमेल में बदल जाती है। पीड़ित व्यक्ति सामाजिक प्रतिष्ठा और करियर के भय से चुप्पी साध लेता है, और यही चुप्पी अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत बन जाती है।

मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में सामने आए हनीट्रैप मामलों ने इस पूरे नेटवर्क की गहराई को उजागर किया है। 2019 के बड़े मामलों के बाद भी यह अपराध पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ, बल्कि और अधिक संगठित तथा डिजिटल रूप में विकसित हुआ है। ÷हनीट्रैप पार्ट-टू÷ जैसी घटनाओं ने स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि लगातार विकसित होता अपराध मॉडल है। जांचों में यह भी सामने आया कि प्रभावशाली व्यक्तियों को लंबे समय तक फंसाकर न सिर्फ धन वसूला गया, बल्कि राजनीतिक और प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करने की कोशिश भी की गई। यह स्थिति दर्शाती है कि यह अपराध अब व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सिस्टम को प्रभावित करने वाला माध्यम बन चुका है।

देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां राजनीतिक नेता, वरिष्ठ अधिकारी और कॉर्पोरेट निर्णयकर्ता इस जाल में फंसे पाए गए हैं। कई बार इसका उद्देश्य केवल आर्थिक लाभ नहीं होता, बल्कि गोपनीय जानकारी हासिल करना, कंपनी की रणनीति जानना या राजनीतिक दबाव बनाना भी होता है। इन मामलों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि बदनामी के डर से पीड़ित सामने नहीं आते, जिससे अपराधियों का हौसला और बढ़ जाता है। धीरे-धीरे यह एक ऐसे नेटवर्क में बदल जाता है जो व्यक्तियों के साथ-साथ संस्थानों की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित करता है।

इस पूरे खेल का सबसे खतरनाक हथियार आज मोबाइल फोन और डिजिटल तकनीक बन चुकी है। डीपफेक वीडियो, एडिटेड ऑडियो, छिपे कैमरे और एन्क्रिप्टेड चैट्स ने इस अपराध को अत्यंत जटिल बना दिया है। अब एक साधारण वीडियो कॉल या फोटो भी किसी के करियर को नष्ट करने के लिए पर्याप्त साबित हो सकता है। तकनीक ने जहां जीवन को सरल बनाया है, वहीं उसने अपराध को लगभग अदृश्य और अधिक प्रभावी बना दिया है। आज सच्चाई और झूठ के बीच फर्क करना भी कठिन होता जा रहा है, और यही इस अपराध की सबसे बड़ी ताकत है।

इस पूरे तंत्र का मनोवैज्ञानिक पहलू भी अत्यंत गंभीर है। लाल लिपस्टिक वाली आकर्षक मुस्कान, सहानुभूति से भरी बातचीत और भावनात्मक जुड़ाव इस जाल का प्रारंभिक चरण होते हैं। यह इतना स्वाभाविक प्रतीत होता है कि व्यक्ति को किसी खतरे का आभास ही नहीं होता। लेकिन धीरे-धीरे यही संबंध नियंत्रण में बदल जाता है। ब्लैकमेल का दबाव केवल आर्थिक नहीं रहता, बल्कि व्यक्ति को मानसिक रूप से भी तोड़ देता है। पीड़ित लगातार भय, तनाव और अपराधबोध में जीने लगता है, जिससे उसका निर्णय लेने का सामर्थ्य कमजोर पड़ता है और वह और गहराई में फंसता चला जाता है। मानसिक रूप से अदृश्य लेकिन अत्यंत गहरा असर छोड़ने वाला यह अपराध व्यक्ति के जीवन को भीतर से तोड़ देता है।

गुटबाजी, अल्पसंख्यक और आर्थिक संकटः मुख्यमंत्री तो बन गए सतीशन, लेकिन सामने चुनौतियों का पहाड़

केरल में हाल ही में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार का नेतृत्व संभालने वाले मुख्यमंत्री वडश्शेरी दामोदर मेनन सतीशन, वीडी नाम से लोकप्रिय हैं। सतीशन कांग्रेस के उन गिने-चुने नेताओं में से एक हैं जो किसी गुट से नहीं जुड़े हैं।

केरल कांग्रेस में यह इस मायने में एक विरोधाभास है कि पार्टी के भीतर के गुट ही सत्ता का संतुलन बनाए रखते हैं और पार्टी को पूरी तरह से खत्म होने से बचाते हैं, जैसा कि कई अन्य राज्यों में हो चुका है। एके एंटनी और करुणाकरन के बीच हुए प्रसिद्ध टकराव से लेकर उम्मेन चांडी के उदय तक, जिन्होंने दोनों गुटों के नेतृत्व गुणों (और समर्थकों) को आत्मसात किया, राज्य में कांग्रेस में गुटवाद ही वह गोंद है जो पार्टी को एकजुट रखता है।

अपना पहला चुनाव 1996 में परवूर विधान सभा क्षेत्र से हारने के बाद सतीशन ने गुटों के प्रलोभनों को ठुकरा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और रक्षा मंत्री एके एंटनी के वह प्रिय हैं। सतीशन ने सभी की शुभकामनाएं स्वीकार कीं लेकिन स्वायत्त बने रहे। इस मायने में वह राजनीतिक रूप से एक स्व-निर्मित श?ख्सियत हैं, इसीलिए कभी-कभी उनके लहजे में थोड़ी सी अकड़ झलकती है।

पूर्व विधान सभा अध्यक्ष जी. कार्तिकेयन अपवाद थे, जिन्होंने 1996 में इस युवा नेता को पहचाना और एंटनी और करुणाकरन दोनों से उनका समर्थन करने को कहा। सतीशन ने 2001 के विधान सभा चुनाव में परवूर सीट से ही चुनाव लड़ा, जीत हासिल की और तब से इस सीट पर काबिज हैं। कार्तिकेयन ने 2000 में भविष्यवाणी की थी कि सतीशन एक दिन मुख्यमंत्री बनेंगे। वह सतीशन के राजनीतिक गुरु थे, इस तथ्य को मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से स्वीकार करते हैं।

इसलिए, यह कहना गलत नहीं होगा कि उनके सामने मौजूद कई जटिल चुनौतियों में से एक प्रमुख चुनौती कांग्रेस में गुटों का प्रबंधन करना होगा। हालांकि केरल की कांग्रेस राजनीति में एक चुनौती देने वाले और दिग्गज नेता रमेश चेन्निथला फिलहाल झुक गए हैं, लेकिन भविष्य में वह नेतृत्व में संभावित बदलाव के लिए विधायकों से संपर्क करेंगे।

केसी वेणुगोपाल के पास न केवल विधायकों से अपनी बात मनवाने की क्षमता है, बल्कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर भी उनकी अच्छी पकड़ है। इसलिए, अपनी नीतियों को आगे बढ़ाते हुए, सतीशन को उन पर भी नजर रखनी होगी। और ये नीतियां क्या हो सकती हैं? आलोचना को पुष्ट करने वाले सबूत मौजूद हैं। सतीशन न तो कट्टरपंथी पर्यावरणवादी हैं और न ही प्रौद्योगिकी विरोधी।

यह सच है कि विधान सभा में विपक्ष के नेता के रूप में उन्होंने वाम मोर्चा सरकार के तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच 530 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड रेल लाइन शुरू करने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया था, जिससे यात्रा का समय घटकर चार घंटे हो जाता। उन्होंने भूमि अधिग्रहण से होने वाले पर्यावरणीय विनाश का हवाला दिया था। उन्होंने अपनी दूसरी कैबिनेट बैठक में इस परियोजना को रद्द कर दिया (जो केंद्रीय समर्थन के अभाव में वैसे भी आगे नहीं बढ़ पा रही थी)।

विझिंजम बंदरगाह के विकास की उनकी आलोचना भ्रष्टाचार संबंधी चिंताओं पर आधारित थी, हालांकि इसके पीछे बंदरगाह के चालू होने के बाद केरल की पारिस्थितिकी पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभाव का मुद्दा भी था। उन्होंने पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल की अध्यक्षता में गठित 2011 के पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी विशेषज्ञ पैनल की सिफारिशों का जोरदार बचाव किया।

रिपोर्ट में खनन, उत्खनन और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई थी। साथ ही विकेंद्रीकृत पर्यावरण शासन और श्रेणीबद्ध पारिस्थितिक संवेदनशीलता क्षेत्रों का प्रस्ताव भी रखा गया था।

लेकिन सतीशन ने कुछ समय पहले केरल की एक ज्वलंत समस्या को पकड़ लिया था। वर्ष 2018 और 2019 की बाढ़ और उसके बाद वायनाड और इडुक्की में बार-बार हुए भूस्खलन ने केरल में आम लोगों और राजनेताओं के बीच एक ऐसा 'पर्यावरण-प्रेमी वर्ग' पैदा कर दिया है जैसा कहीं और नहीं दिखाई देता। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान इस वर्ग को संबोधित किया, उनसे गंभीरता से बातचीत की और उनकी चिंताओं को दूर करने की कोशिश की। कई लोगों ने माना कि उन्होंने ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया जो किसी अन्य राजनेता ने नहीं किया था। लेकिन अब समय आ गया है कि मनुष्य और प्रकृति के बीच के इस संघर्ष को गंभीरता से सुलझाया जाए। असली चुनौती यही है कि वह इसे कैसे करेंगे।

उन्होंने अल्पसंख्यक अधिकारों के मुद्दे को भी बिना किसी संकोच के उठाया। वामपंथियों ने उन पर सांप्रदायिक राजनीति का आरोप लगाया है। लेकिन उन्होंने चर्च की सभाओं (235) में भाग लेकर ईसाई मतदाताओं को चौंका दिया और बाइबल का ऐसा गहन ज्ञान प्रदर्शित किया, जितनी कई ईसाइयों के पास भी नहीं है। केरल की राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मुस्लिम समूह कहते हैं कि धर्मनिरपेक्षता के प्रति उनके आश्वासनों के कारण वह बिना किसी संकोच के उनका समर्थन करते हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल)सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री पद के लिए उनके नाम का समर्थन करने वाली पहली पार्टी थी। कांग्रेस के कई लोगों के लिए यह एक समस्या है।

इसमें कोई शक नहीं कि सतीशन के सामने सुलझाने के लिए कई जटिल आर्थिक मुद्दे हैं, खासकर खाड़ी युद्ध और विदेश से राज्य में आने वाले धन में गिरावट से उत्पन्न हुई समस्याएं। विदेश से आने वाली धनरा?शि केरल की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाती रही है। लेकिन वह सबसे पहले वाम मोर्चे पर निशाना साध रहे हैं।

उन्होंने सार्वजनिक निवेश और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति अपना रुख स्पष्ट कर दिया है- राज्य सरकार की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा देकर और राज्य की राजनीति में एक संवेदनशील मुद्दा रहे आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के वेतन में वृद्धि करके। वाम मोर्चे ने सिर्फ वादे ही किए। लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सतीशन एक ऐसे क्षेत्र में काम कर रहे हैं जहां कई बड़े नाम हैं। उसे यह साबित करना होगा कि वह भी एक बड़ा नाम हैं।

-धनंजय राजौरा

बजाज समूह के 100 साल पूरे, लेकिन अभी कई चुनौतियां सामने

आर्थिक उदारीकरण भारत के पारिवारिक स्वामित्व वाले व्यापारिक समूहों के लिए अनुकूल नहीं रहा है। वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में खुले बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थता ने तीखे आंतरिक झगड़ों को जन्म दिया, जिसके कारण प्रसिद्ध 'लाइसेंस राज' के दिग्गज समूह बिखर गए। इनमें सिंघानिया, श्रीराम, मफतलाल कुछ प्रमुख नाम हैं। यही हश्र बजाज समूह का भी हो सकता था, जिसने पिछले सप्ताह अपने 101वें वर्ष में प्रवेश किया। वर्ष 2002 और 2008 के बीच, तीसरी पीढ़ी के भाइयों के बीच सार्वजनिक कलह ने समूह के विभाजन और कमजोर होने का खतरा पैदा कर दिया था, ठीक उसी समय जब नए प्रतिस्पर्धी इसके मुख्य व्यवसायों के लिए खतरा बन रहे थे। लेकिन परिवार में आपसी विरोधियों की दूरदर्शिता का प्रमाण यह है कि अंततः समझदारी (और जाहिर तौर पर गहरी पारिवारिक भावना) हावी हुई। एक समझौते के तहत प्रमुख संपत्तियों को एक तरफ दिग्गज उत्तराधिकारी राहुल बजाज और उनके चचेरे भाइयों और दूसरी तरफ उनके छोटे भाई शिशिर और उनके बेटे कुशाग्र के बीच विभाजित किया गया और क्रॉसहोल्डिंग्स को सुलझाने के लिए एक वित्तीय समझौता किया गया। राहुल बजाज गुट ने बजाज ऑटो और वित्त व्यवसाय को अपने पास रखा, जबकि उनके भाई ने उपभोक्ता वस्तुएं, चीनी व्यवसाय और रियल एस्टेट का कारोबार संभाला। अपने क्षेत्रों में लगभग दबदबा बनाए रखना, इस विभाजित साम्राज्य की विरासत को संभालने वाली तीसरी और चौथी पीढ़ी की क्षमताओं का प्रमाण है। वर्ष 2025 के वार्षिक बार्कलेज प्राइवेट क्लाइंट्स हुरुन इंडिया मोस्ट वैल्यूएबल फैमिली बिजनेस रैंकिंग में बजाज समूह शीर्ष पांच में शामिल है, जो इसकी लगातार उच्च रैंकिंग है। यह एक सराहनीय उपलब्धि है, क्योंकि वह रिलायंस (68 वर्ष), जिंदल (74 वर्ष) और एचसीएल (केवल 49 वर्ष) जैसे युवा समूहों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। शीर्ष पांच समूहों में, केवल एवी बिड़ला ही 169 वर्ष के साथ इससे पुराना है।

बजाज ऑटो प्रबंधकीय दक्षता और जोखिम लेने की क्षमता का एक अच्छा उदाहरण है जब राहुल बजाज द्वारा 1972 में पियाजियो के साथ अपना लाइसेंस समाप्त होने के बाद स्वदेशी चेतक स्कूटर लॉन्च करने का जोखिम उठाया गया। संरक्षित बाजार ने चेतक के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची सुनिश्चित की और उपभोक्ताओं से मिलने वाले अग्रिमों से जमा अधिशेष ने बजाज ऑटो को भारत की सबसे समृद्ध कंपनियों में से एक बना दिया। राहुल बजाज के बेटे राजीव ने चेतक स्कूटर पर निर्भर रहने के बजाय, अपने पिता की असहमति के बावजूद इसे बंद करने का फैसला किया, जब उन्होंने देखा कि दोपहिया वाहनों का बाजार मोटरसाइकिलों की ओर बढ़ रहा है।

-सुनील कुमार महला

भारतीय संदर्भ में महिलाओं के अधिकार एवं धरातल पर विकास की वैश्लेषिक पारदर्शिता

भारतीय समाज में नारी को सदैव शक्ति, सृजन और संवेदना का प्रतीक माना गया है। एक ओर हमारे सांस्कृतिक ग्रंथों में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता का उद्घोष मिलता है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक धरातल पर महिलाओं को समान अधिकार, स्वतंत्रता और अवसर प्राप्त करने के लिए निरंतर संघर्ष करना पड़ रहा है। भारतीय संदर्भ में महिलाओं के विकास, स्वतंत्रता और सशक्तिकरण की जो तस्वीर प्रस्तुत की जाती है, वह अनेक बार वास्तविकताओं से भिन्न दिखाई देती है। सरकारी आँकड़े और सामाजिक अभियानों की चमक के पीछे आज भी अनेक महिलाएँ मानसिक, सामाजिक और आर्थिक बंधनों से मुक्त नहीं हो पाई हैं।

भारत की कुल जनसंख्या में लगभग आधी भागीदारी महिलाओं की है, किंतु उच्च प्रशासनिक सेवाओं, निजी क्षेत्रों तथा निर्णयकारी पदों में उनकी उपस्थिति अपेक्षाकृत कम है। प्रशासनिक सेवाओं में महिलाओं की भागीदारी लगभग 14 प्रतिशत तथा निजी क्षेत्रों के उच्च पदों पर उनकी उपस्थिति 20 प्रतिशत के आसपास सीमित होना इस असंतुलन को स्पष्ट करता है। यह स्थिति तब है जब महिलाओं ने शिक्षा, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में अपनी अद्भुत क्षमता का परिचय दिया है।

भूमंडलीकरण, शिक्षा के विस्तार, मानवाधिकार चेतना तथा सामाजिक जागरूकता ने नारी सशक्तिकरण आंदोलनों को नई दिशा प्रदान की है। महाराष्ट्र के शनि शिंगणापुर मंदिर, मुंबई की हाजी अली दरगाह तथा अन्य धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश हेतु चले आंदोलनों ने भारतीय समाज में परिवर्तन की नई चेतना को जन्म दिया। लगभग दो दशक पूर्व ऐसे परिवर्तनों की कल्पना भी कठिन थी, किंतु आज महिलाएँ सामाजिक व धार्मिक रूढ़ियों को चुनौती देते हुए समान अधिकार की माँग कर रही हैं।

खेल जगत में भारतीय महिलाओं ने विश्व स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। मीराबाई चानू ने ओलंपिक में रजत पदक जीतकर यह सिद्ध किया कि भारतीय नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है। प्रिया मलिक ने विश्व कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक अर्जित कर नई पीढ़ी की महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार किया। इसी प्रकार साक्षी मलिक, पीवी सिंधु सानिया नेहवाल तथा सानिया मिर्जा जैसी खिलाड़ियों ने महिलाओं की पारंपरिक छवि को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आर्थिक क्षेत्र में चंद्रा कोचर इंदिरा नुवी द्वु तथा अरुंधति भट्टाचार्य ने यह प्रमाणित किया कि महिलाएँ नेतृत्व क्षमता, आर्थिक दृष्टि और प्रबंधन कौशल में भी उत्कृष्ट हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स ने महिलाओं को असीम संभावनाओं का आकाश दिखाया। प्रशासनिक क्षेत्र में किरण बेदी ने कठोर अनुशासन, नेतृत्व और साहस का परिचय देकर महिलाओं को नई प्रेरणा दी।इसके बावजूद भारतीय समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता अनेक स्तरों पर सीमित दिखाई देती है। बचपन से ही लड़कियों के व्यवहार, पहनावे, बोलने के ढंग और सामाजिक सहभागिता पर नियंत्रण स्थापित कर दिया जाता है। धीरे बोलो, धीरे हँसो, बाहर मत जाओ, अजनबियों से दूर रहो जैसी सामाजिक बंदिशें उनके व्यक्तित्व विकास को सीमित कर देती हैं। अनेक परिवारों में आज भी लड़कों को घर का उत्तराधिकारी मानकर प्राथमिकता दी जाती है, जबकि लड़कियों को घरेलू कार्यों तक सीमित रखने का प्रयास किया जाता है। यही मानसिकता महिलाओं को वैचारिक स्वतंत्रता से दूर कर मानसिक दासता की ओर धकेलती है।प्रसिद्ध समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले ने कहा था– यदि एक महिला शिक्षित होती है, तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।

यह कथन केवल शिक्षा का महत्व नहीं बताता, बल्कि महिलाओं की चेतना और आत्मनिर्भरता को समाज परिवर्तन का आधार मानता है।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार अत्यंत प्रासंगिक है– किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम मापदंड वहाँ की महिलाओं की स्थिति होती है।

भारतीय संविधान महिलाओं को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार प्रदान करता है। संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक तत्व तथा विभिन्न विधिक प्रावधान महिलाओं को सशक्त और स्वतंत्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करते हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या कागज़ों में प्राप्त अधिकार धरातल पर भी उसी प्रभावशीलता के साथ दिखाई देते हैं? यदि महिलाओं को वास्तविक रूप से सशक्त बनाना है, तो केवल कानून पर्याप्त नहीं होंगे; सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक होगा।

डॉ भीमराव अंबेडकर ने कहा था– मैं किसी समाज की प्रगति का आकलन इस बात से करता हूँ कि वहाँ की महिलाओं ने कितनी प्रगति की है।

महिला सशक्तिकरण का वास्तविक स्वरूप तभी उभर सकेगा जब बाल्यकाल से ही लड़कियों को समान अवसर, स्वतंत्र सोच, निर्णय लेने का अधिकार तथा आत्मविश्वास प्रदान किया जाए। उन्हें भाई, चाचा या अन्य पुरुष सदस्यों से कमतर न आँका जाए। शिक्षा व्यवस्था में ऐसे परिवर्तन किए जाएँ जो महिलाओं को केवल परीक्षा उत्तीर्ण करने तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण वाली और वैचारिक रूप से स्वतंत्र नागरिक बनाएँ।

महात्मा गांधी का यह कथन आज भी अत्यंत प्रासंगिक है–

स्त्री और पुरुष एक ही रथ के दो पहिए हैं; एक के बिना दूसरा अधूरा है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला सशक्तिकरण को केवल नारों, योजनाओं और मंचीय भाषणों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उसे सामाजिक व्यवहार, पारिवारिक संस्कार और आर्थिक निर्णयों में समान भागीदारी के रूप में लागू किया जाए। जब समाज महिलाओं को स्वतंत्र व्यक्तित्व के रूप में स्वीकार करेगा, तभी भारत में वास्तविक लोकतांत्रिक और मानवीय विकास संभव हो सकेगा।

महिलाओं को संरक्षण नहीं, अवसर चाहिए; सहानुभूति नहीं, समानता चाहिए; और अधिकारों की घोषणा नहीं, बल्कि अधिकारों का वास्तविक क्रियान्वयन चाहिए। तभी भारत में नारी सशक्तिकरण की अवधारणा धरातल पर पूर्ण रूप से साकार हो सकेगी।

-संजीव ठाकुर

ब्रह्मांडीय स्पंदनों और सुप्त शक्तियों की जागृति का विज्ञान

संपूर्ण ब्रह्मांड की संरचना में दो प्रकार के तत्वों की महत्वपूर्ण भूमिका मानी गई है – जैविक और अजैविक। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के अनुसार ये दोनों तत्व आदिशक्ति के स्वरूपों, श्री लक्ष्मी और श्री सरस्वती, द्वारा संचालित होते हैं। श्री लक्ष्मी जहां श्री विष्णु की शक्ति के रूप में पदार्थ और समृद्धि का प्रतिनिधित्व करती हैं, वहीं श्री सरस्वती ज्ञान, नाद और चेतना की अधिष्ठात्री हैं।

पदार्थ और शब्द, दोनों ही मानव जीवन के अभिन्न अंग हैं, किंतु आदिशक्ति के तीसरे स्वरूप महाकाली की माया के कारण मनुष्य इनकी बाहरी परतों में उलझा रहता है। पदार्थों का आकर्षण उसे स्थूलता तक सीमित रखता है, जबकि शब्दों की माया व्यक्ति को प्रिय-अप्रिय, सफल-असफल तथा भ्रम और द्वंद्व में बांधे रखती है। शास्त्रों में शब्दों को तीन स्तरों पर वर्णित किया गया है –

वे शब्द जिन्हें हम बोलते और सुनते हैं, वे जो केवल भीतर सुनाई देते हैं, जैसे विचार, स्मृतियां और कल्पनाएं, तथा मानस स्तर के सूक्ष्म स्पंदन, जहां वर्ण और चेतना का अनुभव होता है।

मनुष्य प्रायः दूसरे प्रकार के शब्दों – विचारों और मानसिक प्रतिक्रियाओं – से प्रभावित और भ्रमित होता रहता है। वस्तुओं को देखकर उत्पन्न इच्छाएं ही विचार और शब्दों का रूप लेती हैं।

भारतीय दर्शन के अनुसार वास्तविक ज्ञान न तो उत्पन्न किया जा सकता है और न ही नष्ट। वह जन्म से ही मनुष्य के भीतर विद्यमान रहता है। जैसे-जैसे आत्मा और चेतना के बीच की दूरी कम होती है, वैसे-वैसे यह ज्ञान प्रकट होने लगता है। तब साधक सूक्ष्म शरीर के चक्रों पर वर्णों और स्पंदनों का अनुभव करता है, जो ब्रह्मांडीय नाद से जुड़कर गहन आत्मबोध का मार्ग खोलते हैं।

जिसे स्वयं का ज्ञान नहीं होता, उसका बाहरी ज्ञान भी अधूरा और भ्रमपूर्ण रह सकता है। हम अक्सर दूसरों के अनुभवों को ही ज्ञान मान लेते हैं, जबकि वास्तविक खोजकर्ता वही है जो स्वयं अनुभव और आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करे।

श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा स्थापित सहजयोग आत्मसाक्षात्कार और ब्रह्मानुभूति का एक सहज एवं वैज्ञानिक मार्ग है। यह अंधविश्वास, कर्मकांड और बाहरी आडंबरों से परे जाकर विवेक, ध्यान और आंतरिक जागृति पर आधारित है। सहजयोग व्यक्ति को विचारों की निरंतरता से बाहर निकालकर ध्यान की अवस्था में ले जाता है, जहां वह अपने भीतर विद्यमान उस सहज ज्ञान और शक्ति का अनुभव कर सकता है जो जन्म से उसके साथ होती है।

सहजयोग के अभ्यास से साधक स्पंदनों की सूक्ष्म भाषा को समझने लगता है, जिसे अधिक वास्तविक, तीव्र और प्रभावशाली माना गया है। इसी माध्यम से व्यक्ति स्वयं तथा दूसरों की मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति का अनुभव कर सकता है।

जुगाड़ छोड़ना होगा! जापान के साथ मजबूत और गहरे व्यापारिक संबंध बनाने का आ गया है सही समय

भारतीय व्यापारिक अभिजात वर्ग की अंतरराष्ट्रीयकरण संबंधी रणनीति पारंपरिक रूप से अमेरिका पर केंद्रित रही है। दशकों तक यह एक तार्किक विकल्प था। अमेरिका ने दुनिया का सबसे गहरा पूंजी बाजार, सबसे उन्नत तकनीक और एक पूर्वानुमानयोग्य संस्थागत वातावरण प्रदान किया। अब यह परिदृश्य बदल गया है। अमेरिका में संस्थानों की गुणवत्ता में गिरावट आई है। भारत में निर्णयकर्ताओं को अब अपनी रणनीति पर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार करना होगा। वैश्विक जुड़ाव के लिए एक विविधीकृत दृष्टिकोण अब एक जरूरत बन चुका है। स्थिरता की यह तलाश आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के परिपक्व लोकतंत्रों की ओर ध्यान आकर्षित करती है। इनमें भारतीय कंपनियों के लिए जापान को अधिक प्राथमिकता देना एक महत्त्वपूर्ण अवसर है।

अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसका नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी 27.78 लाख करोड़ डॉलर है। जापान का नॉमिनल जीडीपी 4.11 लाख करोड़ डॉलर है। इस तरह जापान भी एक बड़ा देश है जिसके साथ भारतीय कंपनियां काफी कुछ कर सकती हैं। जापान के साथ हालिया दशकों के अपने अनुभव से जुड़े पूर्वाग्रह की समीक्षा करनी होगी।

1945 के बाद जापान ने बड़े पैमाने पर औद्योगिक नीति पर काम किया। अफसरशाहों ने सीधे ऋष्ण देने और विजेता चुनने का प्रयास किया। सक्षम जापान द्वारा आरंभ में ऐसा आराम से किया गया। लेकिन 1980 के दशक के मध्य तक यह रुख अपनी सीमा पर पहुंच गया। संसाधनों के आवंटन पर सरकार का नियंत्रण वित्तीय व्यवस्था में सरकारी हस्तक्षेप का समानार्थी हो गया। जापान में सरकार के ऐसे रुख के चलते बड़े पैमाने पर पूंजी का गलत आवंटन हुआ। जापान को कुछ दशक कमजोर वृद्धि का सामना करना पड़ा और वह वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ गया। अब हालात बदल गए हैं। जापानी नीति-निर्माताओं ने 1980 के दशक के मॉडल की सीमाओं को समझा और एक अधिक बाजारोन्मुखी, वैश्विक रूप से एकीकृत और वित्तीय रूप से परिष्कृत प्रणाली की ओर रुख किया। राज्य अब भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है लेकिन सिद्धांतों पर आधारित एक मजबूत संस्थागत ढांचा उभर आया है। जापान के पास अब पूरी तरह से खुला पूंजी खाता है और एक बड़े पैमाने पर परिवर्तनशील विनिमय दर तंत्र है जो बाहरी झटकों को सहन करता है। वित्त में उच्च आर्थिक स्वतंत्रता है, और वित्तीय विनियमन सक्षम है तथा विधि के शासन पर आधारित है।

'गंवाए हुए दशकों' के दौरान जापानी नीति-निर्माताओं ने धीरे-धीरे आधुनिक बाजार अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक संस्थागत क्षमता का निर्माण किया। निक्केई 225 सूचकांक इस प्रगति की झलक देता है। इक्विटी कीमतें बाजार के भविष्य के नकदी प्रवाह और संस्थागत गुणवत्ता के आकलन को दर्शाती हैं। निक्केई 225 ने 1989 के अंत में 38,915.87 का शिखर छुआ था। इसके बाद आई गिरावट और गंवाए हुए दशकों की निराशा का मतलब था कि सूचकांक 30 वर्षों से अधिक समय तक उस शिखर से नीचे ही रहा। 1989 का यह स्तर दोबारा 2024 में ही फिर से हासिल हो सका। उसके बाद, निक्केई 225 में 61.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वैश्विक और जापानी निवेशक जापानी अर्थव्यवस्था में एक नई संभावना देख रहे हैं जो दशकों तक अनुपस्थित थी।

हमें जापान की जनसांख्यिकीय गिरावट को लेकर बहुत चिंतित नहीं होना चाहिए। भारत में अपेक्षित जननांकिकीय लाभ काम नहीं कर पाया। जनसंख्या आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया का केंद्रीय तत्व नहीं है। बड़े निकाय बनाने और भारी मूल्य उत्पन्न करने के लिए जरूरी कुल जनसंख्या बहुत कम होती है (अमेरिका के टेक उद्योग में सीधे तौर पर कार्यरत लोगों की संख्या बहुत कम है)। जापान के पास अपनी तकनीकी और व्यावसायिक सीमाओं को बनाए रखने के लिए आवश्यक संख्या की कोई कमी नहीं होगी। जापान बौद्धिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। बात चाहे ऑटोमोबाइल डिजाइन की हो, उन्नत सामग्री की या सेमीकंडक्टर उद्योग की। जापान की क्षमताएं शीर्ष स्तर की हैं। बीते दो दशक में जापान में शोध करने वाले व्यक्तियों को 14 स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) नोबेल पुरस्कार मिले। अब जापानी रक्षा शोध एवं विकास में तेजी आई है जो चीनी खतरे से निपटने के लिए जापान के नए प्रयास को दर्शाती है। समय के साथ यह विश्वविद्यालयों और उच्च-तकनीकी कंपनियों में नई ताकतें पैदा करेगा जो नागरिक इस्तेमाल तक फैलेंगी।

आपूर्ति श्रृंखलाएं केवल लागत के बारे में नहीं हैं। वे भरोसे के बारे में भी हैं।

जापान और भारत वैश्विक मुद्दों की एक विस्तृत श्रृंखला पर समान दृष्टिकोण रखते हैं। इस सामंजस्य में चीनी आक्रामकता और अमेरिका की अप्रत्याशितता को लेकर साझा चिंता शामिल है। भारत की सफलता के प्रति जापान की प्रतिबद्धता इजरायल, दक्षिण कोरिया या ताइवान में पाई जाने वाली प्रतिबद्धता के समान है। यह साझा रणनीतिक हित भारतीय कंपनियों के लिए जापानी साझेदारों के साथ गहरे, दीर्घकालिक संबंध बनाने को सुरक्षित बनाता है।

दुनिया भर की असंख्य कंपनियां और सरकारें चीन से अपने संबंधों को कम करने की कोशिश कर रही हैं। जापान के साथ अधिक काम करने में सभी प्रसन्न हैं क्योंकि जापान एक देश के रूप में भरोसेमंद है। भारतीय कंपनियों के लिए जापान के साथ पारंपरिक रणनीतियों के आधार पर काम करते हुए अभी बहुत कुछ करना शेष है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में दोनों ने अच्छा सहयोग दिखाया है। जापानी दिग्गज कंपनियों के कामकाज में व्यापार मॉडल को एकीकृत करना, और भारत में उत्पादन कर विश्व बाजार के लिए बेचना शामिल रहा है। लेकिन हाल के वर्षों की व्यावसायिक गतिविधियों में कई अन्य रास्ते भी दिखाई देते हैं।

जापानी पूंजी का उपयोग कर ऋष्णशोधन अक्षमता और दिवालिया संहिता (निप्पॉन स्टील और एएम/एनएस) के माध्यम से संकटग्रस्त भारी उद्योग का अधिग्रहण, पूंजी-गहन तकनीकी निवेश (एनटीटी समूह के हाइपरस्केल डेटा केंद्र), और संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से गहन-तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना (रेनेसास और सीजी पॉवर सेमीकंडक्टर में)। जापानी वित्तीय संस्थान जैसे एमयूएफजी घरेलू भारतीय ऋष्ण बाजारों में सक्रिय रूप से पूंजी लगा रहे हैं। जापान के रणनीति की नई अवधारणा यह है कि जापानी दीर्घकालिक पूंजी और उन्नत बौद्धिक संपत्तियों को भारतीय पैमाने के साथ मिलाकर विश्व बाजार में बेचा जाए। इसमें जापानी बाजार भी शामिल हैं।

इसे अपनाने में समय, प्रयास और मानसिकता में बदलाव लगेगा। भाषा की बाधा अब कम महत्त्वपूर्ण हो गई है क्योंकि जापानी व्यापारिक अभिजात वर्ग अब कुछ अंग्रेजी बोलता है। हालांकि,व्यवसाय करने के तरीकों में गहरे सांस्कृतिक अंतर हैं। जापान में संबंध दीर्घकालिक विश्वास और धैर्य पर आधारित होते हैं। भारतीय व्यावसायिक संस्कृति का हिस्सा बनने वाला कम नैतिक 'जुगाड़' जो त्वरित और अनैतिक तरीके से भी जीत हासिल करने का लक्ष्य रखता है, वहां अच्छी तरह काम नहीं करेगा। भारतीय कंपनियों को जापानी व्यापार जगत के साथ जुड़ना सीखने के लिए समय और प्रयास लगाना होगा।अमेरिका में कठिनाइयां और संशोधनवादी शक्तियों द्वारा उत्पन्न जोखिम एक रणनीतिक प्रतिक्रिया की मांग करते हैं। भारतीय कंपनियों को अपनी अंतरराष्ट्रीय कड़ियों को अमेरिका के अलावा अन्य उन्नत पश्चिमी लोकतंत्रों में विविधीकृत करना चाहिए। जापान को प्राथमिकता देना इस नई वास्तविकता का एक तार्किक उत्तर है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

बसपा का प्रशिक्षण कार्यक्रम सेन समाज धर्मषाल में 25 मई को

जिलेभर से जुटेगे पदाधिकारी व कार्यकर्ता – श्री मालवीय

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय संगठन समीक्षा एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 25 मई 2026 सोमवार को प्रातः 11 बजे सैन समाज धर्मशाला देवास में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में संगठन विस्तार बूथ स्तर तक मजबूती कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण तथा आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश अहिरवार ;प्रदेश प्रभारी, मध्यप्रदेश रहेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉ. रावण वर्मा , जोन प्रभारी इंदौर, धीरेंद्र निराला, जोन प्रभारी इंदौर, एवं बालकृष्ण वायस्कर जोन प्रभारी इंदौर होंगे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय संयोजक बसपा आकाश आनंद तथा बहन कुमारी मायावती, राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश के विचारों एवं संगठनात्मक दिशा.निर्देशों को लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष देवास एडव्होकेट दरियावसिंह मालवीय करेंगे।

जिला अध्यक्ष एडव्होकेट दरियावसिंह मालवीय ने जिले के सभी पदाधिकारियों सेक्टर बूथ एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम संगठन को मजबूत करने एवं बहुजन समाज पार्टी की नीतियों को जन.जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला कार्यकारिणी सदस्य मदनलाल सोलंकी एवं रामदयाल वर्मा, जिला उपाध्यक्ष मुकेश ठाकुर, जिला महासचिव देवेंद्र पंवार, जिला कोषाध्यक्ष बाबूलाल शिंदे , विधानसभा प्रभारी सुनिता मारू, फूलसिंह गौड, विजेन्द्र अंगोरिया, रामलाल रायकवार,, कल्याण सिंह अंवलावदिया, सियाराम शरण भास्कर , शेख कुतुबद्दीन, शहर अध्यक्ष विक्की मालवीय, बाबूलाल चौहान, योगी चौहान, राजेश नागर, राजकुमार सोनगरा, बाबू खां तुफानी, ओमप्रकाश रोजवाल, सतार खां, मजीद खां टेलर, रमेश दावरेकर, महेंद्र चौहान, बौद्धाचार्य कैलाश बौद्ध, निर्भयसिंह गौंड, मुकेश सोनगरा, नंदकिशोर मालवीय, बाबूलाल मालवीय, सिंधु सोलंकी, संजय सांगते, हेमराज परमार, रमेश पंवार, एड. अशोक मेहरा, प्रेमचंद फुलेरिया, सचिन राठौर, प्रकाश मंडोर, राधेश्याम राठौर, महेश फुलवारी, पिरलाल फुलवारी, नौशाद अली, सुशील शिंदे, हेमंत मालवीय, धुलजी बाजोटेए कृष्णा सैंधवा, राजकुमार चौहान, रामचन्द्र फौजी, रमेश राठौर, मनोहर राठौर, शुभम जाटव, संतोष खाबुड़ा, महेश भारस्कर, बलराम गुर्जर, बलराम फौजी, गणेश गौरे, सुरेश मण्डलोई, रोहित पिपले, डॉ. बलराम चौहान, प्यारेलाल बंजारे , यासीन पटेल, अनिल कुशवाह, नारायण जाटवा, लोकेश जाटवा, ब्रजेश राजोरिया, मोहन परमार, गोविन्द चैहान, गब्बर सिंह परमार एवं डॉ. दिलीप सिंह सहित अन्य पदाधिकारियो ने कार्यक्रम को सफल बनाने अपील की हैं।

ऑयल मिल मालिक बनके संजीव जैन को मिली नई पहचान

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मेहनत, सही मार्गदर्शन और शासन की योजनाओं का लाभ यदि सही समय पर मिल जाए, तो नई कहानी लिखी जा सकती है। शिवपुरी शहर के नवाब साहब रोड निवासी संजीव जैन ,जिन्होंने प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर स्वयं का व्यवसाय स्थापित किया और आज आत्मनिर्भर बनकर अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं।संजीव जैन बताते हैं कि वे पहले एक किराना स्टोर संचालित करते थे, लेकिन उससे अपेक्षित आय प्राप्त नहीं हो रही थी। व्यवसाय को आगे बढ़ाने और बेहतर आय के लिए उन्होंने उद्यानिकी विभाग के जिला रिसोर्स पर्सन गिर्राज ओझा से संपर्क किया।योजना की जानकारी से बदली जिंदगीगिर्राज ओझा द्वारा उन्हें प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की जानकारी दी गई और बताया गया कि इस योजना के माध्यम से स्वयं का उद्योग स्थापित किया जा सकता है। योजना से प्रेरित होकर संजीव जैन ने इंडियन ओवरसीज बैंक, शिवपुरी से लगभग 9 लाख 90 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। योजना के अंतर्गत उन्हें ऋण पर 35 प्रतिशत तक की सब्सिडी भी प्राप्त हुई, जिससे उद्योग स्थापित करने में आर्थिक सहायता मिली। वर्तमान में वे नवाब साहब रोड पर ÷अयांशी ऑयल मिल÷ के नाम से अपनी यूनिट संचालित कर रहे हैं।स्वयं बने आत्मनिर्भर, दूसरों को भी दिया रोजगारसंजीव जैन आज अपनी ऑयल मिल के माध्यम से प्रतिमाह लगभग 60 हजार रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने अपनी यूनिट में 3 लोगों को रोजगार भी उपलब्ध कराया है।युवाओं को दिया आत्मनिर्भर बनने का संदेशसंजीव जैन का कहना है कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संचालित योजनाएं अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आगे आएं और स्वयं का रोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनें।

गरूड़ दल ने किया तिलहरी स्थित डॉमिनोज़ पिज्ज़ा सेंटर का निरीक्षण

एक ही जगह रखे थे शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य सामग्री ओवन और स्टोर में पाई गई गंदगी

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा गठित गरूड़ दल ने आज शनिवार तिलहरी स्थित डॉमिनोज़ पिज्ज़ा सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण कर स्टोर और ओवन में गंदगी पाये जाने पर खाद्य पिज्ज़ा बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली खाद्य सामग्री के नमूने परीक्षण हेतु लिए हैं। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट रांझी मौसमी केवट के नेतृत्व में की गई इस कार्यवाही के दौरान सेंटर में शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य सामग्री एक साथ रखी पाई गई थी तथा एक ही ओवन में शाहाकार एवं मांसाहार बनाया जा रहा था। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मौसमी केवट ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बिजली पैनल के समीप रसोई गैस सिलेंडर भी रखे थे, अग्निशमन यंत्र भी पहुंच से दूर बिजली की पैनल के पीछे रखा हुआ था तथा सेंटर में कोई भी आपातकालीन मार्ग नहीं था।

डायरेक्टर बैडमिंटन लीग डबल में करन और पृथ्वी ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा जिले में खेलो को बढ़ावा देने के उददेश्य से श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर शिवपुरी में गतदिवस डायरेक्टर बैडमिंटन लीग डबल आयोजित की गई, जिसमें जिले के लगभग 20 टीमो के 40 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसका फायनल मुकाबला करन और पृथ्वी विरूद्ध धनंजय और युवराज के बीच खेला गया, जिसमें करन और पृथ्वी ने धनंजय और युवराज 19-21, 16-21 को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ. के.के. खरे जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने विजेता एवं उप विजेता खिलाड़ियों को डायरेक्टर बैडमिंटन लीग डबल में कप एवं योगा मेट का पुरूस्कार देकर पुरूस्कृत किया। इस अवसर पर खेल विभाग के कर्मचारी व वरिष्ठ खिलाड़ी उपस्थित रहे। टूर्नामेंट मे मैच की रैफरशिप देवेन्द्र शर्मा, रामपाल सिंह महते ने एवं स्कोरिंग सुजीत करोसिया ने की।जिला खेल ओर युवा कल्याण अधिकारी डॉ.के.के. खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसी प्रतियोगिता आयोजन होने से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने एवं खिलाड़ियों को खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। वर्तमान में 15 मई से 15 जून 2026 तक खेल परिसर, पोलोग्राउण्ड, पुलिस लाईन, गांधी पार्क, फिजिकल के साथ-साथ अन्य स्थलो पर विभिन्न खेलो में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी बालक/बालिका खिलाड़ी सम्मिलित हो सकते है, जिनकी आयु 8 से 18 वर्ष के मध्य है। जिला खेल अधिकारी ने सभी खिलाड़ियों से अपील की है कि वे इस प्रशिक्षण शिविरि में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होकर खेलो में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है। प्रशिक्षण का समय प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक निर्धारित किया गया है।

दिनारा एवं मगरौनी में अवैध पटाखा भंडारों पर प्रशासन की कार्यवाही, भारी मात्रा में पटाखे किए जप्त

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। करैरा क्षेत्र में अवैध रूप से बिना लाइसेंस के पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार एसडीएम करैरा अनुराग निगवाल एवं तहसीलदार करेरा, नायब तहसीलदार मगरौनी के संयुक्त नेतृत्व में टीम ने दिनारा क्षेत्र में दो अलग-अलग ठिकानों पर तथा मगरौनी में एक स्थान पर ताबड़तोड़ छापामार कार्रवाई की है। इस दौरान भारी मात्रा में अवैध पटाखे जप्त किए गए हैं।एसडीएम करैरा अनुराग निगवाल ने बताया कि प्रशासनिक टीम द्वारा साहू डिस्पोजल हाउस राष्ट्रीय राजमार्ग 27 रोड पर दिनारा रेस्ट हाउस के पास दबिश दी। यह दुकान सत्यम साहू के द्वारा संचालित की जा रही थी।

जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए भी विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

विदेश में उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति योजना के तहत 25 मई तक आवेदन आमंत्रित

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक ग्वालियर जिले के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिये भी सुनहरा अवसर है। राज्य शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस योजना के अंतर्गत सत्र 2026-27 (जनवरी से जून 2026) के लिये पात्र विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर एवं पीएचडी अध्ययन के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। आवेदन-पत्र 25 मई 2026 को शाम 6 बजे तक जमा किए जा सकते हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा यह छात्रवृत्ति योजना प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की जा रही है।

योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष 20 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जाती है। इसमें जनवरी-जून एवं जुलाई-दिसंबर सत्र के लिए 10-10 विद्यार्थियों का चयन किया जाता है। आवेदक का 10वीं एवं 12वीं मध्यप्रदेश से उत्तीर्ण होना आवश्यक है। स्नातकोत्तर एवं पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों की पात्रता निर्धारित की गई है। परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए अधिकतम आयु 30 वर्ष तथा पीएचडी के लिए 35 वर्ष निर्धारित की गई है।

चयनित विद्यार्थी केवल क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग के शीर्ष 500 विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए पात्र होंगे तथा संबंधित विश्वविद्यालय से प्रवेश अथवा ऑफर लेटर होना अनिवार्य रहेगा। योजना के तहत शिक्षण शुल्क, वीजा शुल्क, बीमा प्रीमियम, हवाई यात्रा व्यय सहित अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए अधिकतम 40 हजार अमेरिकी डॉलर तक की सहायता दी जाएगी। विद्यार्थियों का चयन शैक्षणिक योग्यता, विश्वविद्यालय की रैंकिंग एवं साक्षात्कार के आधार पर मेरिट अनुसार किया जाएगा।

इच्छुक विद्यार्थी आवेदन पत्र स्वयं, वाहक, डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से आयुक्त, उच्च शिक्षा कार्यालय, सतपुड़ा भवन भोपाल में निर्धारित समय सीमा तक जमा कर सकते हैं। योजना की विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र उच्च शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

गंगा दशहरा पर जिलेभर में होंगे सामूहिक श्रमदान, दीपदान, आरती और सांस्कृतिक कार्यक्रम

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत गंगा दशहरा पर्व पर 25 मई को ग्वालियर जिले में जल संरक्षण और संवर्धन को जन-आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से व्यापक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम लक्ष्मीगंज के समीप स्थित मेहराब साहब की तलैया पर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में प्रातः 7.30 बजे आयोजित होगा। जिला मुख्यालय से लेकर सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों तक सामूहिक श्रमदान, जल स्रोतों की साफ-सफाई, दीपदान, आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सभी कार्यक्रम जनभागीदारी के साथ प्रभावी ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि राज्य शासन का उद्देश्य जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाना है। इसी भावना के साथ गंगा दशहरा पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, धर्मगुरुओं, युवाओं और आमजन की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रमों की गतिविधियों के फोटोग्राफ उसी दिन पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किए जाएं।

उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सभी हैंडपंपों के प्लेटफॉर्म एवं उनके समीप सोखता गड्ढों का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने पर भी जोर दिया। कलेक्टर ने कहा कि जल स्रोतों के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए जन-जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए।

मेहराब साहब की तलैया पर होगा जिला स्तरीय आयोजन- गंगा दशहरा पर जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम 25 मई को प्रातःकाल 7.30 बजे लक्ष्मीगंज स्थित मेहराब साहब की तलैया पर सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होगा। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ अधिकारी एवं आम नागरिक सामूहिक श्रमदान करेंगे। साथ ही सायंकाल 6.30 बजे बैजाताल पर सांस्कृतिक संध्या सजेगी। ग्वालियर नगर निगम के सभी 66 वार्डों में भी इस अवसर पर सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विकासखंडों में भी होंगे विशेष आयोजन- गंगा दशहरा पर जनपद पंचायत डबरा के अंतर्गत मकोड़ा में विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही नोन एवं सिंध नदी पर चुनरी अर्पण, पूजन और दीपदान के कार्यक्रम होंगे तथा विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामूहिक श्रमदान कराया जाएगा।

विकासखंड मुरार के भदावना एवं झिलमिल नदी क्षेत्र तथा ग्राम रौरा स्थित अमृत सरोवर पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। भितरवार विकासखंड में ग्राम बागवई के सरोवर एवं पार्वती नदी पर आयोजन किए जाएंगे। घाटीगांव विकासखंड में मेहरपुरा तालाब पर खंड स्तरीय कार्यक्रम रखा गया है। साथ ही विकासखंड के सभी 36 अमृत सरोवरों पर चुनरी चढ़ाई जाएगी। नगर परिषद मोहना, आंतरी, बिलौआ एवं पिछोर में भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी।

जल स्रोतों की होगी साफ-सफाई- गंगा दशहरा के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों के वार्डों में कुएं, बावड़ियां, नहरें, पुरानी जल संरचनाएं और नदी घाटों की साफ-सफाई सामूहिक श्रमदान एवं जनसहयोग से की जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से इन कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर जल संरक्षण के इस महाअभियान को सफल बनाने की अपील की है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, एडीएम सी बी प्रसाद, अपर आयुक्त नगर निगम प्रतीक राव एवं मुनीष सिकरवार सहित जिले के सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के सीईओ, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

किसानों को खरीफ सीजन हेतु समय पर खाद, बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए

कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा में दिए निर्देश

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजय राज की अध्यक्षता में गत दिवस खरीफ 2026 की तैयारी एवं रबी 2025-26 को लेकर कृषि एवं संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी, मार्कफेड, बीज निगम विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।सीईओ जिला पंचायत द्वारा निर्देश दिए गए कि किसानों को खरीफ सीजन हेतु समय पर खाद, बीज एवं कृषि आदान उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

जिला विपणन अधिकारी को उर्वरकों के भंडारण एवं वितरण की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा समितियों के माध्यम से किसानों को समय पर सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।कृषि विभाग को खरीफ 2026 में बोनी की जाने वाली फसलों के रकबा एवं बीज उपलब्धता तथा उत्पादन से संबंधित अग्रिम तैयारी, किसान पंजीयन, एवं ई-विकास प्रणाली तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। उद्यानिकी विभाग को उद्यानिकी फसलों के रकबे में वृद्धि एवं सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

पशुपालन विभाग को पशुओं के टीकाकरण अभियान एवं जिले में संचालित गौशालाओं पर चर्चा मत्स्य विभाग को मत्स्य उत्पादन बढ़ाने एवं जिले में लीज पर तालाबों की स्थिति और मत्स्य पालन करने वाले कृषकों के के.सी.सी लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिए।

कृषि अभियांत्रिकी विभाग को नरवाई प्रबंधन अंतर्गत कृषि यंत्रों सुपर सीडर, हैप्पी सीडर अनुदान पर वितरण के निर्देश दिए गए।

वहीं मार्कफेड एवं बीज निगम को गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीजों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु कहा गया।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने, लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने तथा खरीफ 2026 की सभी तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अवैध खनिज परिवहन पर कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई तीन वाहन मालिकों पर 97 हजार से अधिक का जुर्माना, 15 दिन में राशि जमा करने के निर्देश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत तीन अलग-अलग मामलों में वाहन मालिकों पर कुल 97 हजार 472 रुपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना रॉयल्टी अथवा निर्धारित मात्रा से अधिक खनिज परिवहन करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी। सभी मामलों में मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्रवाई की गई है।

ट्रैक्टर में बिना रॉयल्टी रेत परिवहन पकड़ा- 21 मई 2026 को पुलिस थाना जीरन द्वारा जप्त ट्रैक्टर क्रमांक MP14AA7991 में बिना रॉयल्टी रेत परिवहन पाया गया। इस मामले में वाहन मालिक श्रीमती श्यामा बाई पति ओमप्रकाश बावरी निवासी पामाखेड़ा पर 28 हजार 750 रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसमें 3 हजार 750 रुपए रॉयल्टी का 15 गुना तथा 25 हजार रुपए पर्यावरण क्षतिपूर्ति शामिल है।

डंपर में अधिक मात्रा में गिट्टी परिवहन पर कार्रवाई- ग्राम चकसोडिजर तहसील सिंगोली में जप्त डंपर क्रमांक RJ19GE6608 में रॉयल्टी से अधिक मात्रा में गिट्टी परिवहन पाए जाने पर वाहन मालिक पूर्वी इंटरप्राइजेस प्रो. प्रशांत फुलकुमार निवासी वार्ड क्रमांक 2, टॉकीज गली सिंगोली पर 25 हजार 822 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। इसमें 3 हजार 600 रुपए रॉयल्टी का 15 गुना एवं 22 हजार 222 रुपए पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि शामिल है।

बिना रॉयल्टी गिट्टी परिवहन पर 42 हजार से अधिक की शास्ति- 22 मई 2026 को ग्राम सिंगोली में जप्त डंपर क्रमांक RJ20GC0393 में बिना रॉयल्टी गिट्टी परिवहन पाए जाने पर मेसर्स सांवरिया क्रेशर प्रो. कमलेश पिता छितरमल धाकड़ निवासी बृजपुरा जिला भीलवाड़ा पर 42 हजार 900 रुपए की शास्ति अधिरोपित की गई। इसमें 5 हजार 400 रुपए रॉयल्टी का 15 गुना तथा 37 हजार 500 रुपए पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि शामिल है।

15 दिन में राशि जमा नहीं करने पर होगी सख्त वसूल- कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने खनि अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि अधिरोपित जुर्माना राशि 15 दिवस के भीतर शासकीय कोष में जमा होने की पुष्टि के बाद ही जप्त वाहन मुक्त किए जाएं।

प्रशासन ने चेतावनी दी है कि तय समय सीमा में राशि जमा नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध भू-राजस्व संहिता के तहत कार्रवाई कर भू-राजस्व की तरह वसूली की जाएगी।

सिहोरा-मझोली के डबल लॉक केंद्रों का औचक निरीक्षण

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशनुसार शनिवार को उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे एवं जिला विपणन अधिकारी ने संयुक्त रूप से सिहोरा और मझोली स्थित रासायनिक उर्वरक डबल लॉक केंद्रों एवं गोदामों का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान विक्रय केंद्रों पर किसानों की सुविधाओं की समीक्षा की गई तथा निर्देश दिए गए कि तपती धूप और गर्मी को देखते हुए केंद्रों पर किसानों के बैठने के लिए शेड और ठंडे पानी की पुख्ता व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध उप संचालक कृषि ने बताया कि जिले में किसानों की आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। वर्तमान में कुल 37 हजार 778 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक का स्टॉक गोदामों में सुरक्षित है। इनमें 20 हजार 684 मीट्रिक टन यूरिया, 9 हजार 268 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट, 4 हजार 684 मीट्रिक टन एनपीके, 2 हजार 250 मीट्रिक टन टीएसपी और 892 मीट्रिक टन पोटाश शामिल है। ई-विकास प्रणाली से मिलेगा खाद, उठाव तेज करने की अपील-- उप संचालक श्री कटहरे ने किसानों से अपील की है कि वे आगामी खरीफ फसलों की मांग के अनुसार शीघ्र ही नजदीकी विक्रय केंद्रों से उर्वरक का क्रय कर लें। इससे जिले के गोदाम समय पर खाली हो सकेंगे, जिससे आगामी दिनों में रेलवे रैक के माध्यम से लगातार नई खाद की खेप (रैक) जिले को प्राप्त होती रहे। उन्होंने बताया कि इस बार किसान भाई पहली बार ई -विकास प्रणाली के माध्यम से डिजिटल टोकन जारी करवाकर एक बार में ही फसल के लिए अनुशंसित पूरी खाद ले सकते हैं।

गौवंश रक्षा व आगामी त्यौहार को लेकर विहिप ने सौंपा ज्ञापन, कड़े कदम उठाने की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिन्दू परिषद गौ रक्षा विभाग मालवा प्रान्त देशी गौवंश रक्षण संवर्धन न्यास द्वारा विश्व हिन्दू परिषद के प्रांतीय आव्हान पर मंदसौर में भी महामहिम राज्यपाल मंगूभाई पटेल के नाम सुशासन भवन में तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर आगामी त्यौहार से पूर्व गौवंश हत्या व गौवंश तस्करी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करने की मांग की गई। विहिप पदाधिकारियों ने बताया कि सम्पूर्ण देशवासियों के लिए गौवंश सात्विक ऊर्जा, आर्थिक समृद्धि एवं आरोग्य का सर्वश्रेष्ठ स्रोत है, इसके बावजूद देश और प्रदेश के कई क्षेत्रों में गौवंश तस्करी व हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं जो कि बेहद चिंताजनक है।

ज्ञापन में मांग की गई है कि सभी राज्य सरकारें और पुलिस-प्रशासन गौवंश हत्यारों व तस्करों के विरूद्ध कठोरता से स्वतः संज्ञान लेकर सख्त कानूनी कार्यवाही करें ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके और गौभक्तों को सड़कों पर आने के लिए मजबूर न होना पड़े। संगठन ने यह भी मांग उठाई है कि आगामी त्यौहार के अवसर पर कुछ राज्यों में वाहनों में गौवंश को लाने-ले जाने के लिए दी जाने वाली अधिकतम संख्या की ढील को पूरी तरह बंद किया जाए। इसके साथ ही राजस्थान व महाराष्ट्र सरकार की तर्ज पर मध्य प्रदेश शासन से भी गौ माता को राज्यमाता का दर्जा प्रदान करने तथा क्षेत्र की समस्त गौचर भूमियों को अतिक्रमण से शीघ्र मुक्त कराने का पुरजोर आग्रह किया गया है। ज्ञापन के माध्यम से स्थानीय स्तर की प्रमुख समस्याओं की ओर भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया है। विहिप नेताओं ने कहा कि नगर पालिका द्वारा समय पर कचरा वाहन घर-घर पहुंचाने के बावजूद कुछ लोगों द्वारा कचरा सड़कों पर फेंक दिया जाता है, जिसमें मौजूद प्लास्टिक पॉलीथिन को खाकर गौ माता बीमार हो रही हैं और असमय काल कवलित हो रही हैं, इसलिए नपा के जिम्मेदार अधिकारी शहर का सघन अवलोकन कर ऐसे लापरवाही बरतने वाले लोगों के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके साथ ही आगामी त्यौहार के बाद पशुओं के अवशेषों का डिस्पोजल वैज्ञानिक व उचित ढंग से करने की मांग की गई है ताकि इन अवशेषों को नदियों में डालकर मन्दसौर की पवित्र शिवना मैया के आंचल को दूषित न किया जा सके। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति शिवना नदी को दूषित करने का प्रयास करता है, तो उस पर तुरंत और सख्त से सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। साथ ही शासन स्तर पर एक विशेष टीम गठित कर मन्दसौर जिले की सभी गौशालाओं का समय-समय पर औचक निरीक्षण कराने की मांग भी रखी गई है। इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद के वरिष्ठ गुरूचरण बग्गा, जिला मंत्री हेमंत बुलचंदानी, विहिप जिला गौरक्षा प्रमुख अमरदीप कुमावत, विहिप जिलाध्यक्ष डॉ. प्रवीणसिंह मण्डलोई, नगर अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, रूपनारायण मोदी, प्रदीप कुमार मोटवानी, विद्यार्थी प्रमुख गौरव शर्मा, शुभम माली, विनोद प्रजापत, राजेश शर्मा, श्यामसिंह, आजाद कुमावत, भावेश ज्ञानानी, सूरज कुमावत, करण कुमावत, नरसिंह बोरिया, शंकर शर्मा, गौरव गेहलोद, अंगद गेहलोद, शुभम कैथवास, आचार्य प्रियांश, हरीश राज, नवनीत पारख, हरिशंकर कुमावत नितेश, निहाल, पवन सहित जिला व प्रखंड स्तर के पदाधिकारी, हिन्दू समाजजन, प्रबुद्ध नागरिक और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रीवा हादसे पर जैन नारी शक्ति मंच की संवेदनशील पहल, संत सुरक्षा हेतु उठाई प्रभावी मांग

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा में जैन साध्वियों के साथ हुए दर्दनाक सड़क हादसे पर जैन नारी शक्ति मंच ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए संत समाज की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जैन संतों एवं साध्वियों के विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण और पुलिस सहायता सुनिश्चित करने की मांग की है।

मीली सुत्रो जानकारी के अनुसार बुधवार प्रातः विहार के दौरान तेज रफ्तार कार की टक्कर से आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या आर्यिका 105 श्रुतमति माताजी एवं उपशममति माताजी का दुखद निधन हो गया, जबकि एक अन्य माताजी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद आरोपी चालक को पुलिस ने जबलपुर के पास से गिरफ्तार किया।

जैन नारी शक्ति मंच के संस्थापक अध्यक्ष राजेश सकलेचा एव सहयोगि दिपक जैन ने कहा कि संत समाज अहिंसा, त्याग और भारतीय संस्कृति के जीवंत प्रतीक हैं। उनके सुरक्षित विहार हेतु स्थायी सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करना समय की आवश्यकता है। मंच ने प्रशासन से मांग की कि संतों के विहार मार्गों पर सुरक्षा दल, चेतावनी संकेत एवं यातायात नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था की जाए।

संतो की सुरक्षा हेतु कडे कदम उठाने की मांग की - जेन नारी शक्ति मंच से आशा जैन पालरेचा, चंचल जैन (चोरड़िया), प्रभा बेन संघवी (बांसवाड़ा), चित्रा बेन जैन (जावरा), हेमा बेन कावड़िया (कुशलगढ़), रेखा बेन गांधी (रतलाम), मयूरी बेन जैन (उदयपुर), शकुन्तला बेन खेमेसरा (भीलवाड़ा), प्रीति जैन (इंदौर), सीमा चोपड़ा (महिदपुर सिटी) एव जीवनलाल जैन ने संयुक्त रूप से संतो की सुरक्षा हेतु कडे कदम उठाने की मांग करी है साथ ही कहा कि संत समाज केवल एक धर्म नहीं बल्कि राष्ट्र की नैतिक चेतना का आधार है। संतों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना समाज और शासन दोनों का दायित्व है।

जैन नारी शक्ति मंच ने दिवंगत पूज्य माताजी को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायल माताजी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की मंगलकामना की।

गांव गुडर में भेरू महराज महाराज स्थापना के वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आशीष खेर द्वारा बताया गया कि खेर कुल देवता भैरू महाराज की विशेष कृपा और उनके आदेश से ग्राम गुड़र में आज दिनांक से 7 वर्ष पूर्व ग्रामीण जनों के सहयोग से एवं सभी माता बहन भाइयों द्वारा स्थापित गांव से बैंड बाजा के साथ उन्हें गांव में मंदिर निर्माण, करके पंच कुंडी यज्ञ एवं विधि विधान से स्थापित किए थे उसी दिन से उनके सानिध्य में लगातार 7 वर्ष से अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाती है और दिवसीय महाअभिषेक , धूमधाम से बैंड बाजे ढोल नगाड़े के साथ पटाखे फोड़कर प्रतिवर्ष स्थापना दिवस मनाया जाता है एवं समस्त खेर परिवार (अलग-अलग गांव में रहने वाले खेर परिवार)एवं ग्रामीण जनों के सहयोग से भंडारा (महाप्रसादी)भी संपन्न किया जाता है।

इन्वेंचर किड्स एकेडमी में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार को नगर के इन्वेंचर किड्स एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल में साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी देवनारायण यादव ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव एवं ऑनलाइन सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बढ़ने के साथ-साथ साइबर ठगी की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में सभी को जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करने, अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने तथा ओटीपी, बैंक खाता एवं पासवर्ड जैसी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की समझाइश दी। एसडीओपी यादव ने कहा कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी या साइबर अपराध होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी साइबर सुरक्षा से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विस्तार से जवाब दिया गया कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मंडलोई भवन पहुंचे पुलिस कप्तान, घटना का लिया जायजा 12 तारीख के दिन लाखों रुपए एवं जेवरात की हुई थी चोरी

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया पूर्व विधायक केदार सिंह जी मंडलोई के पोत्र पूर्व नपं अध्यक्ष शिव प्रताप सिंह मंडलोई के भतीजा पूर्व पार्षद लोकेंद्र सिंह उर्फ राहुल मंडलोई के घर 12 तारीख के रात्रि को चोरी की घटना घटित हो गई थी जिसमें 32,लाख 50000 सहित 50 लाख रुपए से अधिक के जेवरात पर चोरों ने हाथ साफ कर दिए थे जहां एक सप्ताह से अधिक समय के बावजूद भी पुलिस के हाथ खाली है शनिवार को क्षेत्र के सामाजिक लोगों ने एक बैठक कर आंदोलन के लिए रूपरेखा तैयार की थी लेकिन वरिष्ठ अधिकारियों के आश्वासन पर बैठक वा आंदोलन निर्धारित समय के लिए निरस्त कर दिया गया है इसके बाद आज शनिवार को पुलिस विभाग के जिला अधिकारी यशपाल सिंह जी राजपूत अकोदिया स्थित मंडलोई निवास पहुंचे क्या 12 मई की रात्रि को हुई चोरी की घटना का जायजा लिया मंडलोई परिवार के सदस्यों से चर्चा की साथ ही आरोपियों तक पहुंचाने के लिए एक टीम का गठन किया गया उक्त टीम में थाना प्रभारी संजय राजपूत एएसआई प्रदीप सिंह तोमर अंकित मुकाती विपिन तोमर आनंद शर्मा साइबर सेल से विकास तिवारी अभिषेक परमार आदि उक्त टीम में शामिल किए गए हैं जो पूरी घटना की जांच पड़ताल कर रहे हैं शंका के आधार पर कहीं लोगों से पूछताछ भी की जा रही

इनका कहना- मामले में हम पूरी जांच पड़ताल कर रहे हैं कुछ लोगों से पूछताछ भी चल रहे हैं आज हमारे एसपी साहब भी घटना स्थल स्थित मंडलोई निवास पहुंचे थे उनके द्वारा एक टीम गठित की गई है जिसमें मेरे सहित 8 अधिकारी नियुक्त किए गए हैं जल्द ही घटना को अंजाम देने वाले चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

-संजय सिंह राजपूत थाना प्रभारी अकोदिया मंडी

श्री आदिनाथ फैमिली ग्रुप नागदा जंक्शन को मिला नया नेतृत्व

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री आदिनाथ फैमिली ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक पूर्व अध्यक्ष राजा कर्णावत एवं ग्रुप के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से दीपक गांग को अध्यक्ष तथा कुशल भंसाली को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की आशा व्यक्त की। ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि नए नेतृत्व में संगठन सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। अंत में सभी ने दीपक गांग एवं कुशल भंसाली को नई जिम्मेदारी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं दीं।

इन्होंने दी बधाई - राजेश सकलेचा, शरद जैन, मनीष चपलोत, अमित बम, धर्मेन्द्र बम, रवि संधवी, मनोज गांग, राकेश ओरा, सन्तोष नाहटा, प्रकाश चपलोत ने बधाई दी।

सृजन अभियान के अंतर्गत थाना कोतवाली द्वारा मोमिनपुरा क्षेत्र में महिला सुरक्षा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर आशुतोष बागरी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा एवं जनजागरूकता को लेकर सृजन अभियान के अंतर्गत मोमिनपुरा क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में थाना प्रभारी कोतवाली श्रीमती नीता देयरवाल एवं थाना स्टाफ के साथ थाना महिला टीम उपस्थित रही। मोमिनपुरा आंगनवाड़ी में कार्यक्रम आयोजित कर क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराधों तथा बाल सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के प्रमुख बिंदु -

महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों एवं उनके अधिकारों की जानकारी दी गई।

बालक-बालिकाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के संबंध में जागरूक करते हुए सतर्क रहने की समझाइश दी गई।

बच्चों की सुरक्षा हेतु गुड टच एवं बैड टच के बारे में सरल एवं प्रभावी तरीके से जानकारी प्रदान की गई।

सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से होने वाली साइबर धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, लिंक एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताए गए।

किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, अपराध अथवा परेशानी की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया।

महिला सुरक्षा हेतु संचालित हेल्पलाइन नंबरों एवं पुलिस सहायता सेवाओं की जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग करने की अपील की गई।

महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मविश्वास के साथ जागरूक रहकर समाज में सुरक्षा, सम्मान एवं सकारात्मक वातावरण बनाए रखने हेतु प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पुलिस टीम से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की। थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आमजन विशेषकर महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

रोजगार मेले में 201 युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेन्द्र कुमार ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। मदन महल स्थित कमेटी हॉल में आयोजित 19वें रोजगार मेले में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि अब तक देशभर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 11.39 लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित रोजगार मेले में रेलवे, बैंकिंग, पोस्टल सहित विभिन्न विभागों में 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवा के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। जबलपुर में 201 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे केवल नौकरी पाने तक सीमित न रहें, बल्कि राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान दें। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, कौशल विकास और स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाओं ने युवाओं को नई संभावनाएं प्रदान की हैं। डॉ. कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुद्रा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से देश के करोड़ों लोगों को लाभ मिला है।

कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत युवाओं से आवेदन आमंत्रित

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण योजना के तहत विभिन्न ट्रेडो में प्रशिक्षण हेतु 18 से 45 वर्ष के युवाओं से 12 जून तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्ष 2026-27 में 39 ट्रेडों में युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण आवासीय होगा तथा प्रशिक्षणार्थियों को भोजन एवं आवास की निःशुल्क सुविधा दी जायेगी। प्रभारी प्रबंधक खादी ग्रामोद्योग ने बताया कि आवेदन केवल https://mpkhadigramodyog.com पर ही स्वीकार किये जायेंगे। इच्छुक आवेदक को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। आवेदक को आवेदन के साथ समग्र आईडी, आधार नंबर, मार्कशीट एवं सभी दस्तावेज स्पष्ट एवं सही अपलोड करना होगा।

तिलहरी क्रीड़ा परिसर में प्रवेश के लिए 15 जून तक किये जा सकेंगे आवेदन

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा तिलहरी में संचालित विशिष्ट क्रीड़ा परिसर में सत्र 2026-27 हेतु रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं से 15 जून तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक विद्यार्थी आवेदन पत्र विशिष्ट क्रीड़ा परिसर तिलहरी जबलपुर कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं तथा पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित परिसर कार्यालय में ही जमा कर सकते हैं। जनजातीय विभाग के सहायक आयुक्त से प्राप्त जानकारी के अनुसार क्रीड़ा परिसर में प्रवेश हेतु नवीन प्रवेश पात्रता परीक्षा 24 एवं 25 जून को प्रातः 8 बजे से शारीरिक दक्षता परीक्षण एवं टैलेंट सर्च के माध्यम से आयोजित की जाएगी। प्रवेश के लिए आवेदक का अनुसूचित जनजाति वर्ग से होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ उन्हें जाति प्रमाण पत्र संलग्न करना आवश्यक होगा। विशिष्ट क्रीड़ा परिसर में मिनी वर्ग में 11 से 14 वर्ष तथा सीनियर वर्ग में 16 से 18 वर्ष आयु के विद्यार्थी पात्र होंगे। आयु 31 दिसंबर 2026 की स्थिति में मान्य होगी। सहायक आयुक्त ने बताया कि सीनियर वर्ग में चयन राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की खेल उपलब्धियों के आधार पर किया जा सकेगा। हॉकी, फुटबॉल और एथलेटिक्स खेलों से जुड़े प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। शारीरिक दक्षता परीक्षण में उत्तीर्ण होने पर विद्यार्थियों का चयन मेरिट के आधार पर किया जाएगा। आवेदन पत्र के साथ आवेदक को उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची, स्थानीय मूल निवासी प्रमाण पत्र आदी।

भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026

बुरहानपुर जिला प्रशिक्षण वर्ग को लेकर व्यवस्था संबंधी कार्यों का बंटवारा ,वरिष्ठों का मिला मार्ग दर्शन

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 अंतर्गत बुरहानपुर जिला वर्ग प्रशिक्षण को लेकर भाजपा जिला कार्यालय पर वरिष्ठ नेता प्रशिक्षण वर्ग निमाड संभाग के सह प्रभारी सर्वश्री ओम प्रकाश जी सोनी एवं विवेक जी भटोरे ,संभाग के जिला प्रभारी श्री हरिश जी कोटवाल ,बुरहानपुर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज जी माने की उपस्थिति में एक अत्यावश्यक बैठक का आयोजन भाजपा जिला कार्यालय पर किया गया। बैठक में जिला वर्ग प्रशिक्षण से संबंधित समितियों के प्रभारियों से वन तू वन चर्चा की गई। इस बैठक में जिला महामंत्री चिंतामन जी महाजन,ईश्वर जी चौहान, संजय जी जाधव,नगर पंचायत शाहपुर अध्यक्ष प्रतिनिधी विरेन्द्र जी तिवारी सहित संगठन एवं समिति प्रभारी उपस्थित थे।

बैठक को प्रशिक्षण वर्ग निमाड संभाग के सह प्रभारी विवेक जी भटोरे ने जिला वर्ग प्रशिक्षण को लेकर बनाई गई समिति के पदाधिकारियों से जिला वर्ग प्रशिक्षण में आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की। प्रशिक्षण में प्रदर्शनी,आवास,पंजीयन,मोबाईल संकलन सहित समस्त व्यवस्थाओं पर की गई तैयारीयों एवं उसे अपडेट रखने एवं पूर्व तैयारियों की जानकारी प्राप्त की।

बैठक में प्रशिक्षण वर्ग निमाड सह प्रभारी ओमप्रकाश जी सोनी पूर्व जिलाध्यक्ष बड़वानी ने भी बैठक को संबोधित करते हुवे जिला वर्ग प्रशिक्षण को भव्य ओर दिव्य बनाने के लिए कुछ नवाचार भी किये जाने पर चर्चा की । इस दौरान कई सुझाव भी प्राप्त हुवे। जिनपर चर्चा कर उन्हें अमल में लाने पर मंथन किया गया। आपने प्रदेश एवं केंद्र से वक्ताओं के आने की संभावना भी व्यक्त की।

बैठक में निमाड संभाग से जिला वर्ग प्रभारी श्री हरीश जी कोटवाल ने भी मार्गदर्शन देते हुवे समिति प्रभारियों से कार्यो को लेकर चर्चा की तथा पूर्व में प्रदेशभर में हुवे जिला वर्ग प्रशिक्षण को देखते हुवे अच्छी से अच्छी व्यवस्था हो, इसकी निगरानी के लिए 2 दिवस पूर्व से जिले में प्रवास पर रहने एवं समस्त कार्यो को लेकर सतत निगरानी रखेन की बात कही। बैठक का संचालन जिला महामंत्री ईश्वर जी चौहान द्वारा एवं आभार जिला महामंत्री चिंतामन जी महाजन ने माना।

उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गुलाबचंद पूर्वे ने देते हुवे बताया कि इस अवसर पर प्रशिक्षण वर्ग निमाड संभाग के सह प्रभारी विवेक जी भटोरे ,प्रशिक्षण वर्ग निमाड सह प्रभारी ओमप्रकाश जी सोनी पूर्व जिलाध्यक्ष बड़वानी ,निमाड संभाग से जिला वर्ग प्रभारी श्री हरीश जी कोटवाल,भाजपा जिलाध्यक्ष डॉक्टर मनोज जी माने, महामंत्री सर्व श्री चिंतामन महाजन, ईश्वर जी चौहान,संजय जी जाधव,वर्ग प्रभारी वीरेंद्र जी तिवारी,प्रशांत जी पाटील,मुकेश जा शाह, संभाजी सगरे,सुनिल जी वाद्ये, सुनिल श्रीवास्तव,विवेक कानुगो,करण प्रजापती,भरत जी रावल, आकाश वानखेडे, दुर्गेश शर्मा, प्रकाश लाड, अनिल वानखेडे,अशेक राठौर, प्रदीप कुशवाह, सहित जिला वर्ग समिति पदाधिकारी उपस्थित थे।

बस स्टैंड पर प्राइवेट बसों की जांच, फिटनेस व दस्तावेज किए चेक

पुलिस ने बस संचालकों को सुरक्षा नियमों के पालन के दिए निर्देश

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिलेभर में चलाए जा रहे लोक परिवहन बसों के विशेष चेकिंग अभियान के तहत शनिवार को सुसनेर बस स्टैंड पर पुलिस विभाग द्वारा प्राइवेट बसों की सघन जांच की गई। इस दौरान बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा, वैध दस्तावेज, फायर सेफ्टी उपकरण, फर्स्ट एड बॉक्स एवं इमरजेंसी एग्जिट सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया।

जांच अभियान के दौरान एसआई एम एम खान, कांस्टेबल भूपेंद्र सिंह चौहान एवं प्रेमसिंह राठौर सहित पुलिस टीम मौजूद रही। पुलिस द्वारा बस चालकों एवं परिचालकों को यातायात नियमों का पालन करने तथा यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने बस संचालकों को चेतावनी दी कि बिना फिटनेस, वैध बीमा अथवा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाली बसों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान बसों की स्थिति का भौतिक सत्यापन भी किया गया। पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की जांच कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

विनोद ने भी तोड़ा दम, 8 दिन पहले हुई थी पिता की मौत

श्योपुर में तरबूज कांड- पिता के बाद बेटे की भी मौत

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्योपुर में सामने आए चर्चित तरबूज कांड में सुसनेर निवासी विनोद परिहार की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। इससे पहले उसके पिता इंदर सिंह परिहार की मौत आठ दिन पहले हो चुकी थी। दो दिनों के भीतर पिता-पुत्र की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है और नगर में शोक का माहौल बना हुआ है। जानकारी के अनुसार सुसनेर निवासी इंदर सिंह परिहार श्योपुर में ड्राइवर का काम करते थे। उनके साथ बेटा विनोद परिहार भी वहीं रहता था। 15 मई की सुबह दोनों को अचानक सीने में जलन और बेचैनी की शिकायत हुई थी। इसके बाद दोनों ने तरबूज खाया और कुछ ही देर में उनकी हालत गंभीर हो गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने इंदर सिंह को कोटा रेफर किया था। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई थी।

पिता की मौत के बाद विनोद का उपचार जारी था। शुक्रवार देर शाम उसकी हालत ज्यादा बिगड़ गई जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे भी कोटा रेफर कर दिया। वहां उपचार के दौरान विनोद ने दम तोड़ दिया। शनिवार शाम को उसका शव सुसनेर के इतवारिया बाजार स्थित निवास पर पहुंचा, जहां अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। इसके बाद गमगीन माहौल में अंतिम यात्रा निकालकर अंतिम संस्कार किया गया।

इधर पूरे मामले में बीमारी और मौत का वास्तविक कारण अब तक सामने नहीं आ पाया है। ग्वालियर भेजे गए विनोद के सैंपलों में ह1एन1 (स्वाइन फ्लू), कोविड सहित अन्य रिपोर्ट निगेटिव आई हैं। स्वास्थ्य विभाग को उम्मीद थी कि इन रिपोर्टों से बीमारी की वजह स्पष्ट होगी, लेकिन रिपोर्ट सामान्य आने के बाद मामला और उलझ गया है।

घटना के आठ दिन बाद भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट पुलिस को नहीं मिल सकी है। कोतवाली थाना प्रभारी सत्याम गुर्जर ने बताया कि पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही विसरा जांच के लिए भेजा जाएगा। फिलहाल विसरा जांच शुरू नहीं हो सकी है। चिकित्सकों का कहना है कि अब विसरा रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

सीएम हेल्पलाइन में निम्न प्रदर्शन करने वाले विभागों की कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शुक्रवार को सीएम हेल्पलाइन में निम्न प्रदर्शन करने वाले विभागों जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग एवं जिला शिक्षा केन्द्र की समीक्षा बैठक आयोजित कर शिकायतों के निराकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की।

बैठक में कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी स्वप्रेरणा से शिकायतों का निराकरण करें तथा शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उनका समाधान करें।

कलेक्टर ने इन विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के प्रदर्शन में डी श्रेणी प्राप्त करने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि यदि शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं किया गया तो वे स्वयं शिकायतकर्ताओं से चर्चा करेंगे।

बैठक में कलेक्टर ने विशेष रूप से अनुकम्पा नियुक्ति एवं छात्रवृत्ति संबंधी शिकायतों पर गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे प्रकरणों में प्राथमिकता के आधार पर निराकरण के प्रयास सुनिश्चित किए जाएं।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती सुप्रिया बिसेन, जिला शिक्षा अधिकारी श्री आर एस बामनिया, डीपीसी श्री रालुसिंह सिंगार एवं बीईओ, बीआरसी उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्वास्थ्य संस्थाओं का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा, आवश्यक सुविधाएं समय सीमा में पूर्ण करने के दिए निर्देश

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.एस. बघेल द्वारा राणापुर विकासखण्ड अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोरडुंडिया, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र समोई तथा उप स्वास्थ्य केंद्र अंधारवाड़ का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. बघेल ने स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, दवा वितरण व्यवस्था एवं जांच सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने आवश्यक दवाओं एवं जांच उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रीय नागरिकों को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य संस्थाओं में पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय सीमा में आवश्यक सुधार कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुव्यवस्थित, प्रभावी एवं मरीज हितैषी बनाने पर विशेष जोर दिया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने अस्पताल में उपचाररत मरीजों से भी चर्चा कर स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में फीडबैक लिया। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विशेष सेल गठित

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन तथा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रचलित सिविल अपील में दिए गए निर्देशों के परिपालन में, जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में ÷ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विशेष सेल÷ का गठन किया गया है। इस ÷विशेष सेल÷ के सचिव जिला शहरी विकास अभिकरण के परियोजना अधिकारी रहेंगे। कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने बताया कि इस विशेष सेल में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अपर कलेक्टर खण्डवा, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व खण्डवा तथा जिले की सभी नगर पालिका परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सदस्य होंगे। म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड खण्डवा के क्षेत्रीय अधिकारी इसके सदस्य सचिव व तकनीकी सदस्य रहेंगे। इस सेल में मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड खण्डवा के अधीक्षण यंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, विशेष आमंत्रित सदस्य रहेंगे। यह विशेष सेल पर्यावरण संरक्षण अधिनियम की धारा-5 के तहत प्राप्त शक्तियों के अधीन आगामी एक वर्ष की अवधि के लिए जिले में निम्नलिखित व्यवस्थाओं और निगरानी के लिए उत्तरदायी होगा।

डिप्लोमा इंजीनियरिंग हेतु प्रवेश प्रक्रिया जारी

बडवानी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा, संचालनालय (डीटीई), मध्यप्रदेश द्वारा सत्र 2026-27 के लिए डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसलिंग का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया वर्तमान में सक्रिय रूप से जारी है। तकनीकी क्षेत्र में अपना करियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए सीधे प्रवेश पाने का यह एक बेहतरीन अवसर है, जिसकी अंतिम तिथि नजदीक है। तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी समय-सारणी के अनुसार प्रथम चरण के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की अवधि 29 मई 2026 (रात्रि 11.45 बजे तक) निर्धारित की गई है। इसके साथ ही छात्र 15 मई से 02 जून तक अपनी पसंद की संस्थाओं का ऑनलाइन चयन कर च्वाईस फिलिंग को लॉक कर सकते हैं। इस चरण के अंतर्गत आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों के सत्यापन और प्रवेश की प्रक्रिया 08 से 13 जून (सायं 6.30 बजे तक) पूर्ण की जाएगी । प्राचार्य श्री कमलेश गुप्ता ने बताया कि महाविद्यालय में इस सत्र के दौरान रोजगारोन्मुखी तकनीकी शाखाओं जैसे कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग में प्रवेश के सुनहरे अवसर उपलब्ध हैं। छात्र अपनी रुचि अनुसार इन आधुनिक और कोर इंजीनियरिंग शाखाओं का चयन कर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं । प्रवेश तथा काउंसलिंग विभाग प्रभारी श्री टीएल ठाकुर ने बताया कि प्रवेश हेतु अभ्यर्थियों को मुख्य रूप से कक्षा 10वीं की अंकसूची, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (आरक्षित वर्ग के लिए) और मूल निवासी प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज आवश्यक होंगे।

कलेक्टर ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक लेकर लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति, लंबित मामलों के निराकरण तथा विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर ने RCMS पोर्टल पर नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन प्रकरणों, राजस्व वसूली, सायबर तहसील के लंबित प्रकरणों, भूमि आवंटन, आरबीसी 6-4, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, आधार-ROR लिंकिंग, सीएम हेल्पलाइन, भू-अर्जन एवं फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा की।

कलेक्टर ने कहा कि ई-विकास प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण में फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य होने से फार्मर रजिस्ट्री का कार्य प्राथमिकता के साथ शत-प्रतिशत पूर्ण किया जाए। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि राजस्व विभाग प्रशासन की नींव है, इसलिए विभागीय कार्यों में संवेदनशीलता, सक्रियता एवं जवाबदेही के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि सूचना के प्रभावी आदान-प्रदान हेतु कोटवारों को सक्रिय किया जाए, ताकि ग्राम स्तर पर होने वाले राजस्व संबंधी कार्यों एवं घटनाओं की समय पर जानकारी प्राप्त हो सके।

उन्होंने न्यायिक एवं गैर-न्यायिक कार्यों के विभाजन को गंभीरता से लेने तथा राजस्व अमले को नियमित रूप से फील्ड विजिट करने के निर्देश भी दिए, जिससे आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया जा सके।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद सुश्री तनुश्री मीणा, सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, संयुक्त कलेक्टर श्री विजय कुमार मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मण्डलोई, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व थांदला श्री भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर, समस्त तहसीलदार , नायब तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर जिले में होंगे जल संरक्षण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार गंगा दशहरा के पावन अवसर पर प्रदेश में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में 25 मई 2026 को जिले में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण एवं संवर्धन विषयक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रदेश शासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन के रूप में संचालित करने पर विशेष जोर दिया गया है। धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से जुड़े गंगा दशहरा पर्व पर जल संरक्षण, पारंपरिक जल स्त्रोतों के संवर्धन एवं जनजागरूकता संबंधी गतिविधियों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक संचालित किया जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर दिनांक 25 मई 2026 को ग्राम पंचायत देवझिरीपण्डा स्थित देवझिरी मंदिर प्रांगण, जनपद पंचायत झाबुआ में गंगा दशहरा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं समन्वय हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत झाबुआ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

कार्यक्रम में जनसहभागिता आधारित जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संबंधी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। साथ ही आमजन को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने हेतु विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम एवं सहभागितामूलक गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, उसी दिन सायंकाल राजवाड़ा चौक, झाबुआ में सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन एवं समन्वय हेतु परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण झाबुआ को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से दोनों कार्यक्रमों में सहभागिता करने एवं जल संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की गई है।

बड़वानी की स्नेहा दावदे का भारतीय यू -18 महिला हॉकी टीम में चयन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। हॉकी इंडिया द्वारा जापान के काकामीगाहारा शहर मे 26 मई से 6 जून तक आयोजित होने वाली एशियाई महिला हॉकी चैंपियनशिप के लिए यू-18 महिला हॉकी टीम की घोषणा की गई जिसमे बड़वानी शहर की बेटी स्नेहा दावदे को भारतीय टीम में सम्मिलित किया गया है। हॉकी कोच श्री मुकेश राठौर ने बताया कि स्नेहा दावदे द्वारा रांची में आयोजित राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप मे किए गये उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय कैंप में जगह बनाई, जहां पर ऑस्ट्रेलिया टीम से चार मैचो की सीरीज में अपने किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में चुन ली गईं हैं। स्नेहा दावदे मिड फील्डर (सेंटर हाफ) की भूमिका में खेलती है। स्नेहा दावदे द्वारा पूर्व मे कई राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर श्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार प्राप्त कर चुकी है स्नेहा दावदे की यह उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत जुनून और अनुशासन की जीत है। स्नेहा दावदे का सपना ओलंपिक में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करना है वर्तमान में ग्वालियर राष्ट्रीय महिला हॉकी अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है । स्नेहा दावदे भारतीय टीम के साथ 25 मई को भोपाल से दिल्ली होते हुए जापान के लिए प्रस्थान करेगी । जहां एशिया की दिग्गज टीमो कोरिया, मलेशिया, चीन, सिंगापुर, जैसे सशक्त टीमों से मुकाबला होगा । स्नेहा दावदे कि इस उपलब्धि पर जिला प्रशासन, जिला हॉकी संघ एवं समस्त खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया।

आत्मा परियोजना अंतर्गत कृषक संगोष्ठी एवं कृषि रथ कार्यक्रम आयोजित

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा संचालित कृषि रथ का संचालन विकासखंड विदिशा की समस्त ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत सकाळखेड़ा खुर्द, पीपलखेड़ा एवं सतपाड़ा सराय में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के माध्यम से कृषक संगोष्ठी एवं कृषि रथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को आगामी खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों, प्राकृतिक खेती तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि अभियांत्रिकी विभाग, कृषि उपज मंडी एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने सहभागिता करते हुए किसानों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही किसानों से योजनाओं के आवेदन भी भरवाए गए।

गंजबासौदा से पधारे कृषि विशेषज्ञ घनश्याम जमालिया एवं पीएनबी ट्रेनिंग सेंटर के कृषि विशेषज्ञ एस.एस. तोमर ने किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक जानकारी प्रदान की। उन्होंने धान, मक्का एवं सोयाबीन फसलों में लगने वाले रोग एवं कीट नियंत्रण, कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपाय, मृदा समतलीकरण तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत पीपलखेड़ा के सरपंच, सरपंच प्रतिनिधि, जनपद सदस्य एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विशाल यादव ने किसानों को फसल विविधीकरण एवं मृदा स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी। वहीं आत्मा परियोजना के ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक प्रदीप मालवीय ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने हेतु प्रेरित करते हुए जीवामृत, घनजीवामृत एवं अन्य प्राकृतिक उत्पादों के लाभ और निर्माण विधि की जानकारी प्रदान की। कृषि विस्तार अधिकारी गजेंद्र रघुवंशी द्वारा किसानों को मृदा नमूना लेने की वैज्ञानिक विधि समझाई गई तथा कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत कराया गया। संगोष्ठी के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण भी किया गया। सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों ने किसानों को कार्ड वितरित करते हुए उसमें दर्शाई गई पोषक तत्वों की कमी के अनुसार सुधार एवं संतुलित पोषण प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक खेती में सूक्ष्मजीवों की संख्या बढ़ाने के लिए जीवामृत के उपयोग को लाभकारी बताया। साथ ही प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आत्मा परियोजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों को प्राकृतिक खेती किट भी वितरित की गई, जिससे किसान कम लागत में टिकाऊ खेती की तकनीकों को अपना सकें। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने प्राकृतिक खेती एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति विशेष रुचि दिखाई। अंत में सभी किसानों ने नरवाई प्रबंधन करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने एवं टिकाऊ खेती अपनाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना से बदली युवा की जिंदगी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना जिले के युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को न केवल स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं, बल्कि वे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

झाबुआ जिले के ग्रामीण अंचलों में अनेक ऐसे युवा थे, जिन्हें भारी वाहनों की ड्राइविंग का अनुभव तो था, लेकिन आर्थिक संसाधनों के अभाव में वे स्वयं का वाहन खरीदने में सक्षम नहीं थे। रोजगार की तलाश में उन्हें लंबे समय तक घर-परिवार से दूर रहकर अन्य राज्यों में मजदूरी एवं वाहन संचालन कार्य करना पड़ता था। सीमित आय और अस्थिर रोजगार के कारण उनके सामने भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी रहती थी।

ऐसे युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आई। जिला प्रशासन एवं खाद्य विभाग द्वारा गांव-गांव तक योजना की जानकारी पहुंचाई गई और युवाओं को आवेदन प्रक्रिया में मार्गदर्शन प्रदान किया गया। योजना के अंतर्गत शासन द्वारा बेरोजगार युवाओं को अपनी गारंटी पर बैंक से 7.5 मीट्रिक टन क्षमता के वाहन (ट्रक/आईसर) खरीदने हेतु ऋण उपलब्ध कराया गया। साथ ही शासन की ओर से 1.25 लाख रुपये की मार्जिन मनी तथा 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान (सब्सिडी) की सुविधा भी दी गई, जिससे युवाओं को आर्थिक सहायता और आत्मविश्वास दोनों प्राप्त हुए।

योजना से लाभान्वित पेटलावद निवासी परिवहनकर्ता श्री ईश्वर हरड़ बताते हैं कि पहले वे दूसरों के वाहन चलाकर रोजगार करते थे और महीनों तक घर से दूर रहना पड़ता था। मेहनत के बावजूद आय सीमित थी और स्वयं का वाहन खरीदना केवल एक सपना था।

उन्होंने बताया कि जब उन्हें मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना की जानकारी मिली, तब उन्होंने आवेदन किया। जिला प्रशासन एवं बैंक के सहयोग से उन्हें स्वयं का नया ट्रक प्राप्त हुआ। आज वे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन दुकानों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। श्री ईश्वर हरड़ ने बताया कि वर्तमान में वे सभी खर्चों के बाद प्रतिमाह लगभग 25 से 30 हजार रुपये तक का शुद्ध लाभ अर्जित कर रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि अब उन्हें रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में भटकना नहीं पड़ता और वे अपने परिवार के साथ रहकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना जिले में युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी अधिक सुदृढ़, व्यवस्थित एवं सुचारू बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी प्रभावी पहल साबित हो रही है।

वन पट्टाधारी किसानों को ई-विकास पोर्टल पर कराना होगा पंजीयन तभी मिलेगा खाद के लिए ई-टोकन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सहकारिता विभाग ने जारी किए आदेश पटवारी और तहसीलदार करेंगे वेरिफिकेशन जिले की सभी बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं को प्रक्रिया तेजी से पूरी करने के निर्देश बड़वानी 23 मई 2026/ जिले के वन पट्टाधारी कृषक सदस्यों को सुचारू रूप से खाद (उर्वरक) का वितरण सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और सहकारिता विभाग द्वारा विशेष मुहिम चलाई जा रही है। सहायक आयुक्त सहकारिता द्वारा जिले की समस्त बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं (पैक्स) को कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

निवाली के ग्राम खेड़ी में कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत रात्रि चौपाल सह कृषक संगोष्ठी का हुआ सफल आयोजन

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकार किसानों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध विधायक श्री बरडे परिवर्तन से ही विकास सम्भव, पारंपरिक खेती की जगह प्राकृतिक व जैविक खेती अपनाएं किसान कलेक्टर हितग्राहियों को कृषि यंत्र और उन्नत मूंगफली के बीजों का किया गया वितरण बड़वानी 23 मई 2026/ कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत कृषि और किसानों को समृद्धि की ओर ले जाने के उद्देश्य से निवाली तहसील के ग्राम खेड़ी में रात्रि चौपाल सह कृषक संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पानसेमल विधायक श्री श्याम बरडे, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कृषक उपस्थित थे। रात्रि चौपाल के दौरान कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने उपस्थित किसानों से सीधा संवाद किया। किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने का रास्ता स्वयं चुनना पड़ता है, क्योंकि सकारात्मक परिवर्तन से ही विकास संभव है। उन्होंने किसानों को कृषि को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए 5 महत्वपूर्ण तकनीकी और वैज्ञानिक सूत्र साझा किए ।

1. HDPS तकनीक (हाई डेंसिटी प्लांटिंग सिस्टम) किसानों को प्रेरित करते हुए बताया गया कि सीमित क्षेत्र में भी वैज्ञानिक व सघन रोपण पद्धतियों को अपनाकर कपास व अन्य फसलों की उत्पादकता को कई गुना बढ़ाया जा सकता है।

2. उन्नत व पोषक फसल किस्में पारंपरिक और पुराने बीजों के स्थान पर उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीजों का उपयोग करें। कपास की खेती में छोटे, मध्यम और लंबे रेशे वाली उन्नत किस्मों को प्राथमिकता दें ताकि बाजार में बेहतर दाम मिल सके।

3. प्राकृतिक खेती भूमि की उर्वरा शक्ति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए रासायनिक खादों और कीटनाशकों के जगह प्राकृतिक खाद का उपयोग करे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री प्राकृतिक खेती मिशन की विस्तार से जानकारी देते हुए जैविक कृषि अपनाने पर जोर दिया।

4. पीएम कृषक सूर्य मित्र योजना कृषि में लागत कम करने और निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए सोलर पंप अपनाने का आह्वान किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथसाथ आर्थिक बचत भी होगी।

5. वर्षा पूर्व मृदा परीक्षण खरीफ सीजन की शुरुआत से पहले सभी किसान अनिवार्य रूप से अपने खेतों की मिट्टी का नमूना परीक्षण जरूर करवाएं ताकि भूमि की आवश्यकता के अनुसार ही पोषक तत्वों का प्रबंधन किया जा सके। खेती को लाभ का धंधा बनाना सरकार की प्राथमिकता विधायक श्री श्याम बरडे संगोष्ठी को संबोधित करते हुए पानसेमल विधायक श्री श्याम बरडे ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण और विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कृषकों से आह्वान किया कि वे केवल एक ही फसल पर निर्भर न रहकर फसल विविधीकरण को अपनाएं।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

ढाबों पर खुलेआम छलक रहे थे जाम

आबकारी का ताबड़तोड़ एक्शन- 16 गिरफ्तार, 17 केस दर्ज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में ढाबों पर अवैध शराब बिक्री और शराबखोरी के खिलाफ आबकारी विभाग द्वारा कलेक्टर के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान में आबकारी विभाग ने 17 प्रकरण दर्ज कर 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान 18 लीटर अवैध मदिरा और 50 किलोग्राम महुआ लहान भी जब्त किया गया।

आबकारी विभाग की टीम ने बीते दो दिनों में जिले के विभिन्न ढाबों और ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ दबिश देकर अवैध शराब कारोबारियों पर शिकंजा कसा। विभाग की कार्रवाई का मुख्य फोकस उन ढाबों पर रहा जहां अवैध रूप से शराब पिलाने और बिक्री की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। जांच के दौरान चौधरी का ढाबा, शिवा वैली ढाबा, सुराना डिलीकेसिज होटल, भद्रकाली ढाबा, युवराज ढाबा, समर्पण ढाबा, संजू का ढाबा और सोनू का ढाबा सहित कई स्थानों पर सघन चेकिंग की गई। इसके अलावा ग्राम बिसनखेड़ी, ग्राम चिड़ी और ग्राम रोहलकलां में भी कार्रवाई कर अवैध मदिरा के भंडारण और बिक्री की जांच की गई। आबकारी अधिकारियों ने बताया कि जिन ढाबों पर अवैध रूप से शराब परोसी जा रही थी, वहां शराब पीने वालों और ढाबा संचालकों के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 36 के तहत कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान कई संदिग्ध गतिविधियां सामने आने पर मौके पर ही प्रकरण दर्ज किए गए।

शहर में आने-जाने वाले वाहनों की भी जांच- अवैध शराब की सप्लाई रोकने के लिए आबकारी विभाग ने शहर में प्रवेश करने वाले संदिग्ध वाहनों की भी लगातार जांच शुरू कर दी है। विभाग को आशंका है कि बाहरी क्षेत्रों से शराब लाकर ढाबों और ग्रामीण इलाकों में खपाई जा रही है। इसी को देखते हुए चेकिंग अभियान को और तेज किया गया है।

मुखबिर सक्रिय, होगी सख्त कार्रवाई- अभियान का नेतृत्व कर रहे सहायक नियंत्रण कक्ष प्रभारी प्रतीक गुप्ता ने बताया कि जिले में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री, परिवहन या संग्रहण नहीं होने दिया जाएगा। विभाग का मुखबिर तंत्र सक्रिय है और सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सूचना देने के लिए हेल्पलाइन जारी - आबकारी विभाग ने आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। जिले में कहीं भी अवैध शराब की बिक्री, परिवहन या भंडारण की जानकारी मिलने पर आबकारी नियंत्रण कक्ष के दूरभाष क्रमांक 0734-2551159 पर सूचना दी जा सकती है। विभाग ने भरोसा दिलाया है कि सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं गंगा दशमी महोत्सव 25-26 मई 2026

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा श्री महाकालेश्वर की पवित्र धरा से प्रारंभ हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जल एवं पर्यावरण संरक्षण की एक सशक्त जनचेतना यात्रा बन गया है। लगभग 22 वर्ष पूर्व शिप्रा तट से प्रारंभ हुआ यह प्रयास आज एक वटवृक्ष का रूप ले चुका है और अब संपूर्ण मध्यप्रदेश में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष प्रयासों से विस्तार की ओर अग्रसर है। प्रदेश की प्रमुख नदियों- नर्मदा, ताप्ती, केन, बेतवा सहित अन्य जल स्रोतों के संरक्षण एवं उनके आसपास के पर्यावरण संवर्धन के लिए व्यापक अभियान मध्यप्रदेश शासन द्वारा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संस्थाओं के साथ योजनाबद्ध रूप से संचालित किया जा रहा है। उज्जैन से बोया गया यह बीज अब प्रदेशभर में हरित चेतना और जल संरक्षण के रूप में फलित होने जा रहा है।

इसी क्रम में उज्जैन में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत शिप्रा तीर्थ परिक्रमा एवं गंगा दशमी महोत्सव का आयोजन 25 एवं 26 मई को किया जा रहा है।

घर में सीढ़ियों से गिरे युवक की हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर में सीढ़ियों से गिरे युवक को सिर में गंभीर चोंट लगी। उसे परिजन उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन युवक की मौत हो चुकी थी। मृतक युवक की पत्नी गर्भवती है, 2-3 दिनों में ही घर में खुशियां आने वाली थी। लेकिन माहौल गमगीन हो गया। इंगोरिया के ग्राम दंगवाड़ा से जावेद पिता रूस्तम शाह 25 साल को गंभीर हालत में चरक अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। ड्युटी कंपाउंडर द्वारा कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। इस दौरान सामने आया कि जावेद घर में सीढ़ियों से गिरा था। वह घर के पास कमरे में भूसा भरने के बाद ऊपरी मंजिल पर जा रहा था, तभी संतुलन बिगड़ गया था। परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले ही शादी हुई थी। पत्नी गर्भवती है, जो मायके गई हुई है। 2-3 दिन में डिलेवरी होने वाली है। परिवार के खुशियों का माहौल था, लेकिन माहौल गम में बदल गया है। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा। जिसे दंगवाड़ा ले जाया गया है।

कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप उज्जैन में हाईवे पर स्थित ग्राम पंचायतों के नागरिकों द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित फर्स्ट एड प्रदान करने और उनको समय पर उपचार केंद्र पहुँचाने के लिए जिले में जनसेवा प्रहरी पोर्टल बनाया जा रहा है।

रक्तदान महादानः कड़वा पाटीदार धर्मशाला में युवाओं ने बड़ी संख्या में किया रक्तदान

जिला रेड क्रॉस सोसायटी ने शिविर में ब्लड की विभिन्न जांचों के साथ ही हीमोग्लोबिन की जांच निशुल्क की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में सेवा और स्वास्थ्य का एक अनूठा संगम देखने को मिला, जहां जिला रेड क्रॉस सोसाइटी उज्जैन शाखा के तत्वावधान में कुशलपुरा स्थित कड़वा पाटीदार धर्मशाला ट्रस्ट की वार्षिक साधारण सभा के दौरान एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पाटीदार समाज के युवाओं ने बड़ी संख्या में रक्तदान किया और देखते ही देखते 25 यूनिट रक्त एकत्रित कर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की। शिविर की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि यहां ब्लड की विभिन्न जांचों के साथ ही हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर की जांच भी पूरी तरह निशुल्क की गई, जिसका लाभ उठाने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

रेड क्रॉस जिला शाखा उज्जैन के सचिव श्री अनुराग जैन ने बताया कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सर्वसमाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करना था। इस निशुल्क जांच शिविर का लाभ उठाने और जागरूकता का परिचय देते हुए लोगों ने अपनी जांच करवाई। वहीं पाटीदार समाज के नौजवानों ने कतारों में लगकर समाज सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले सभी युवाओं को उज्जैन जिला चिकित्सालय की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम में जिला रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष श्री राजेंद्र झालानी, कोषाध्यक्ष श्री विजेंद्र वर्मा और सचिव श्री अनुराग जैन विशेष रूप से मौजूद रहे और उन्होंने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया।

कार्यक्रम के अंत में पाटीदार समाज धर्मशाला ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री रामेश्वर गामी और श्री प्रेम नारायण पाटीदार ने शिविर में आए डॉक्टरों और पैथोलॉजी की पूरी टीम का शाल और दुपट्टा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत व सम्मान किया।

डॉग शेल्टर पर ताला... शहर में बढ़ा आवारा कुत्तों का आतंक

साढ़े चार माह में 3314 डॉग बाइट केस, नसबंदी और वैक्सीनेशन ठप- महाकाल क्षेत्र तक पहुंचा खतरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आवारा कुत्तों का संकट लगातार गहराता जा रहा है। एक ओर डॉग बाइट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगर निगम की डॉग कंट्रोल व्यवस्था पूरी तरह ठप पड़ गई है। सदावल स्थित नगर निगम का डॉग शेल्टर पिछले एक महीने से बंद पड़ा है। यहां न तो श्वानों को पकड़ा जा रहा है और न ही उनकी नसबंदी और वैक्सीनेशन का काम हो रहा है। नतीजा यह है कि शहर की सड़कों, कॉलोनियों और धार्मिक स्थलों पर आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि विश्व प्रसिद्ध महाकाल मंदिर परिसर भी इससे अछूता नहीं रहा। हाल ही में मंदिर की एक महिला कर्मचारी को आवारा कुत्ते ने काट लिया था। इसके बावजूद जिम्मेदार विभागों के बीच खींचतान के कारण समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

हर दिन 20 से 30 लोग बन रहे शिकार- जिला अस्पताल के आंकड़े स्थिति की गंभीरता बयां कर रहे हैं। वर्ष 2026 में अब तक डॉग बाइट के 3314 मामले सामने आ चुके हैं। औसतन रोजाना 20 से 30 नए मरीज कुत्तों के काटने के बाद उपचार के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई लोग निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं।

शेल्टर की क्षमता सिर्फ 125, जरूरत हजारों की- सदावल स्थित डॉग शेल्टर में मात्र 125 श्वानों को रखने की क्षमता है, जबकि शहर में आवारा कुत्तों की संख्या हजारों में बताई जा रही है। वर्तमान में शेल्टर पूरी तरह खाली पड़ा है। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले एक महीने से यहां कोई गतिविधि दिखाई नहीं दी है। इससे श्वानों को पकड़ने और नियंत्रण की पूरी व्यवस्था ठप हो गई है।

टेंडर विवाद में फंसी व्यवस्था- नगर निगम ने आवारा श्वानों की नसबंदी, वैक्सीनेशन और देखरेख का जिम्मा एक एनजीओ चैरिटेबल वेलफेयर सोसाइटी फॉर ह्यूमन काइंड एंड एनिमल को सौंपा था। एनजीओ पिछले दो वर्षों से यह कार्य कर रहा था, लेकिन पिछले दो माह से उसने काम बंद कर दिया है। एनजीओ प्रतिनिधियों का कहना है कि उनका टेंडर कार्यकाल समाप्त हो गया था, इसलिए काम रोकना पड़ा।

वहीं नगर निगम के अपर आयुक्त पवनकुमार सिंह का कहना है कि संबंधित संस्था के पास दिल्ली से जारी आवश्यक प्रमाण-पत्र नहीं था, जिसके कारण टेंडर निरस्त कर दिया गया। अब नए टेंडर की प्रक्रिया जारी है।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें भी अटकी- श्वानों को पकड़ने की कार्रवाई बंद होने से नागरिकों की शिकायतों का निराकरण भी नहीं हो पा रहा है। सीएम हेल्पलाइन पर लगातार शिकायतें दर्ज हो रही हैं, लेकिन नगर निगम के पास फिलहाल कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। ऐसे में लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

गर्मी में बढ़ जाता है कुत्तों का आक्रामक व्यवहार- पशु चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र कुमार बर्वे के अनुसार गर्मी के मौसम में श्वानों का व्यवहार सामान्य दिनों की तुलना में अधिक आक्रामक हो जाता है। अत्यधिक तापमान के कारण वे चिड़चिड़े और तनावग्रस्त हो जाते हैं। पानी और भोजन की कमी उनकी परेशानी बढ़ा देती है। त्वचा संबंधी रोग, खुजली और असहजता के कारण वे बेचैन रहते हैं। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति अचानक उनके करीब पहुंच जाए या उन्हें छेड़ दे, तो काटने की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

नगर निगम की सुस्ती से बढ़ा खतरा- शहर में बढ़ते डॉग बाइट मामलों और बंद पड़े डॉग शेल्टर ने नगर निगम की तैयारियों और व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। नए टेंडर की प्रक्रिया पूरी होने तक यदि कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में डॉग बाइट के मामलों में और बढ़ोतरी हो सकती है। नागरिकों का कहना है कि धार्मिक नगरी उज्जैन में आवारा कुत्तों की समस्या अब केवल असुविधा नहीं, बल्कि जन सुरक्षा का बड़ा मुद्दा बन चुकी है।

चरक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में टपक रहा एसी, दो दिन से पानी सप्लाई ठप

एक दिन पहले कलेक्टर के आधी रात निरीक्षण के बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्थाएं- भीषण गर्मी में मरीज और परिजन बूंद-बूंद पानी को तरसे, वार्डों में घर से पंखे ला रहे लोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल चरक भवन में मरीजों की सुविधाओं को लेकर किए गए दावों की पोल खुलती नजर आ रही है। एक ओर गुरुवार देर रात कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर व्यवस्थाओं का औचक निरीक्षण किया था और मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के निर्देश दिए थे, वहीं दूसरी ओर अस्पताल में मरीज 2 दिन से पानी के लिए तरस रहे हैं। गर्मी से बचने के लिए पंखे भी साथ लेकर आ रहे हैं।

चरक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड का एयर कंडीशनर खराब होने से पूरे कक्ष में पानी टपक रहा है। इससे मरीजों और स्वास्थ्यकर्मियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि वार्ड में जगह-जगह पानी फैलने से फिसलन की स्थिति बन गई है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है। मरीजों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती। सात मंजिला अस्पताल भवन में पिछले दो दिनों से पीने के पानी की सप्लाई बंद पड़ी है। भीषण गर्मी के बीच मरीज और उनके परिजन पानी के लिए इधर-उधर भटकने को मजबूर हैं। कई लोगों को बाहर से बोतलबंद पानी खरीदकर काम चलाना पड़ रहा है।

कूलर नहीं लगे, मरीज घर से ला रहे टेबल फैन- कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान प्रत्येक वार्ड में मरीजों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में कूलर लगाने के निर्देश दिए थे, लेकिन अस्पताल प्रबंधन इन निर्देशों का पालन करता नजर नहीं आ रहा। सामान्य वार्डों में गर्मी से राहत के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को अपने घरों से टेबल फैन लाकर उपयोग करना पड़ रहा है।

अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों का कहना है कि दिन में गर्मी और उमस के कारण वार्डों में बैठना मुश्किल हो जाता है। पानी की कमी और कूलिंग व्यवस्था की बदहाली ने हालात और खराब कर दिए हैं।

निरीक्षण के 24 घंटे बाद भी नहीं दिखा असर- गौरतलब है कि कलेक्टर ने एक दिन पहले ही देर रात चरक भवन पहुंचकर फायर सेफ्टी, इलेक्ट्रिक सेफ्टी, कूलर व्यवस्था और मरीजों की सुविधाओं का जायजा लिया था। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश भी दिए थे। लेकिन निरीक्षण के महज 24 घंटे बाद ही अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाएं प्रशासनिक निर्देशों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही हैं। भीषण गर्मी के इस दौर में जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। ऐसे में अस्पताल प्रबंधन की कार्यशैली और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही पर भी सवाल उठने लगे हैं।

रेमो डिसूज़ा, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने किए महाकाल के दर्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार देर रात फिल्म और मनोरंजन जगत की चर्चित हस्तियां दर्शन के लिए पहुंचीं। प्रसिद्ध कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा, अभिनेत्री अंकिता लोखंडे और अभिनेता विक्की जैन ने बाबा महाकाल की शयन आरती में शामिल होकर पूजा-अर्चना की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। तीनों कलाकारों ने मंदिर की परंपरा के अनुसार भगवान महाकाल के दर्शन किए और कुछ समय मंदिर परिसर में भी बिताया। उनके मंदिर पहुंचने की सूचना मिलते ही कई लोगों ने अपने पसंदीदा कलाकारों की एक झलक पाने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि महाकाल मंदिर देश-विदेश की नामी हस्तियों की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। फिल्म, खेल, राजनीति और उद्योग जगत से जुड़ी हस्तियां समय-समय पर बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना करती रही हैं। इसी क्रम में रेमो डिसूजा, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन ने भी महाकाल की शयन आरती में शामिल होकर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। मंदिर प्रशासन के अनुसार तीनों ने विधिवत दर्शन कर भगवान महाकाल से सुख, समृद्धि और मंगल की कामना की।

ग्रांड होटल का रिनोवेशन अगले सप्ताह से

महाराजवाड़ा समेत पर्यटन निगम के होटलों में बढ़ाई जाएगी ठहरने की क्षमता

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ को देखते हुए जिला प्रशासन ने पर्यटन विकास निगम को ग्रांड होटल के रिनोवेशन का काम तत्काल शुरू करने और कान्ह डायवर्सन परियोजना के अपस्ट्रीम कार्य को 30 जून से पहले पूरा करने के निर्देश दिए।

कल हुई समीक्षा बैठक में बताया गया कि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए महाराजवाड़ा हेरिटेज होटल में अतिरिक्त कमरों का निर्माण शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा होटल अवंतिका और शिप्रा होटल उज्जयिनी में भी नए कक्ष बनाए जा रहे हैं। टावर चौक स्थित ऐतिहासिक ग्रांड होटल का रिनोवेशन कार्य अगले एक सप्ताह में शुरू होगा। दूसरी ओर सिंहस्थ की महत्वपूर्ण कान्ह डायवर्सन परियोजना को लेकर अधिकारियों ने बताया कि परियोजना के तहत प्रतिदिन 62 मीटर खुदाई की जा रही है और 6.26 किलोमीटर कट एंड कवर कार्य पूरा हो चुका है। इस पर संभागायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 जून से पहले अपस्ट्रीम का काम हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने टनल निर्माण की गुणवत्ता और फिनिशिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा तथा खराब गुणवत्ता वाले कट एंड कवर हिस्सों को हटाने के निर्देश भी दिए।

बैठक में शिप्रा नदी पर 29 किलोमीटर क्षेत्र में बन रहे घाटों को लेकर अधिकारियों ने बताया कि घाट निर्माण का करीब 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और सभी निर्माण जून 2027 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। संभागायुक्त ने सड़क, ब्रिज, घाट और अन्य निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने और कम समय पर पूरा करने के लिए कहा गया।

मार्गो को जोड़ने वाले अंडरपास की प्लानिंग सभी विभागों के समन्वय से करें-संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ महापर्व 2028 के तहत अधोसंरचना के विकास कार्यों का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। शनिवार को नियमित निरीक्षण के तहत संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सड़क निर्माण कार्य, भीड़ प्रबंधन के लिए निर्माणाधीन अंडरपास निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के सुविधापूर्वक आवागमन और यातायात प्रबंधन पर फोकस करते हुए मार्गों को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन अंडरपास और कनेक्टिंग मार्ग की भी व्यवस्थित प्लानिंग कर लें।

शनिवार को नियमित निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री आशीष सिंह, कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के तहत लोक निर्माण विभाग (सिंहस्थ संभाग) द्वारा यातायात दबाव एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए विभिन्न मार्गों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

कानीपुरा मार्ग से गिरफ्त में आया बाइक चोर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ ब्रिज से बाइक चोरी कर भागे 2 बदमाशों में से एक को कानीपुरा मार्ग से गिरफ्तार कर लिया गया। जिससे बाइक बरामद की गई है। पूछताछ कर उसके दूसरे साथी का पता लगाया जा रहा है। चिमनगंज थाना एसआई दिनेश भट्ट ने बताया कि 23 मार्च को पंवासा क्षेत्र का रहने वाला अजय पिता रमेशचंद्र मालवीय गरोठ ब्रिज से पंवासा की ओर आ रहा था। तभी लघुशंका के लिये रूका, उसने बाइक ब्रिज पर खड़ी की और चला गया। वापस आया तो बाइक गायब थी। बाइक चोरी होने की शिकायत अजय ने थाने आकर दर्ज कराई। पुलिस बदमाशों का पता लगाने का प्रयास कर रही थी। शुक्रवार शाम सूचना मिली कि गरोठ ब्रिज से चोरी हुई बाइक के साथ एक युवक कानीपुरा मार्ग पर खड़ा है। तत्काल बाइक के साथ आये युवक को पकड़ने के लिये घेराबंदी की गई और उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने साथी के साथ मिलकर बाइक चोरी करना कबूल कर लिया। आरोपी का नाम राकेश पिता प्रहलाद भाटी जाति मोंगिया निवासी ग्राम नांदेड सामने आया है। जिससे पूछताछ कर उसके साथी की जानकारी जुटाई जा रही है। गिरफ्त में आये आरोपी के खिलाफ पूर्व में चोरी के कई मामले दर्ज हैं। जिसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया जा सकता है।

खाचरौद में पानी की बूँद बूँद बचाने की मुहिम शुरू, सभी 130 पंचायतों के शासकीय भवनों में कराई रूफ वाटर हार्वेस्टिंग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी जिलों में जलसंरक्षण के लिए हर वर्ष जलगंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष जो यह अभियान 19 मार्च से शुरू होकर 30 जून तक चलाया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसहयोग से पानी की एक एक बूँद बचाने का प्रयास है।

जिले में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के नेतृत्व में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कुमट द्वारा अभियान में सभी जनपद में अमृत सरोवर ,कूप रिचार्ज ,चेकडेम , स्टॉपडेम ,खेत तालाब ,नाला ट्रेन्चिंग के कार्य किए जा रहे हैं एवं पुराने कार्यों में गाद निकालने ,बावड़ी सफाई आदि कार्यों की पूर्णता की दिनरात मॉनिटरिंग की जा रही है।

इसी तारतम्य में खाचरौद जनपद में प्रथम चरण में सभी 130 पंचायतों में कम से कम एक शासकीय भवन में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग करवाई गई है। इसके लिए पिछले एक हफ्ते से प्लानिंग की गयी ,तत्पश्चात सभी नोडल ,सचिव ,सहायक सचिव को वर्कशॉप के माध्यम से रूफ वाटर हार्वेस्टिंग निर्माण की ट्रेनिंग दी गयी। इसके बाद हर 3 पंचायत पर जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारियों को नोडल बनाया गया जिनकी उपस्थिति में पंचायत के सरपंच ,सचिव ,जीआरएस के सहयोग से सभी 130 पंचायत में उपयोगी एवं गुणवत्तापूर्ण वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण किया गया।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग क्या है- वाटर हार्वेस्टिंग, जिसे वर्षा जल संचयन भी कहा जाता है, बारिश के पानी को व्यर्थ बहने से बचाने और उसे इकट्ठा करके सही तरीके से उपयोग करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें बारिश के पानी को छत या खुले मैदानों से पाइपों के माध्यम से टैंक में स्टोर किया जाता है या सीधे जमीन के अंदर पहुँचाया जाता है।

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम मुख्य रूप से इन चरणों में काम करता है-

कैचमेंट - घर की छत या कोई पक्की सतह, जहाँ बारिश का पानी सबसे पहले इकट्ठा होता है।

कन्वेयंस - पाइप्स या नालियों के जरिए छत पर जमा हुए पानी को नीचे लाना।

फिल्टरेशन- पानी में मौजूद धूल, मिट्टी और पत्तों को अलग करने के लिए पानी को रेत, कंक्रीट और चारकोल की परतों से गुजारना।

संग्रहण या रिचार्जिंग -शुद्ध किए गए पानी को किसी भूमिगत टैंक में इकट्ठा करना या जमीन के अंदर बने 'रिचार्ज पिट' में छोड़ना, ताकि भूजल का स्तर बढ़ सके।

मोबाइल हैक कर खाते से निकले 1.36 लाख

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सायबर फ्रॉड में शामिल बदमाशों द्वारा बिना ओटीपी, पासवर्ड मांगे मोबाइल हैक कर खातों से रूपये निकाले जा रहे है। ऐसा ही मामला नीलगंगा थाना पुलिस ने दर्ज कर जांच में लिया है। अलखधाम स्थित द्वारकामाई अपार्टमेंट में रहने वाला जयवर्धन पिता स्व. राधाकृष्ण तिवारी 39 साल प्रायवेट जॉब करता है। 13 मई को अचानक मोबाइल हैक गया था। जो कुछ देर बाद वापस चलने लगा। लेकिन 16 मई को पता चला कि उसके खाते से 1.36 लाख का ट्रांजेक्शन हो चुका है। बैंक से जानकारी लेने के बाद जयवर्धन ने मामले की शिकायत नीलगंगा थाना पुलिस को दर्ज कराई और बताया कि बिना ओटीपी और पासवर्ड के उसके खाते से रूपये निकले है। पुलिस ने जांच शुरू की तो सामने आया कि मोबाइल में हाइट एप्प डाउनलोड हुआ था। जो मोबाइल स्क्रीन पर दिखाई नहीं देता है। उसके माध्यम से सायबर फ्रॉड करने वालों ने मोबाइल हैक कर ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया है। मामले में एएसआई उद्यमसिंह राठौर ने बताया कि प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। जिस खाते में रूपयों का ट्रांजेक्शन हुआ है, उसका पता लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जायेंगे।